राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार , 06 अप्रैल 2025

वर्ष 13, अंक 339, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मनायी गयी समाजवादी संत श्रद्धेय भगवती सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि...03

ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले 248 शिक्षकों से विभाग ने मांगा स्पष्टीकरण...04

वक्फ बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी कांग्रेस : जयराम रमेश

कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह संसद में पारित 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025' की संवैधानिकता को ''बहुत जल्द'' उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी। राज्यसभा ने वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधानों वाले 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। इसी के साथ संसद में यह विधेयक पारित हो गया। लोकसभा ने बुधवार देर रात करीब दो बजे इस विधेयक को पारित कर दिया था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' 'कांग्रेस वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को उच्चतम न्यायालय में बहुत जल्द चुनौती देगी।'' उन्होंने कहा, ''...हम भारत के संविधान में निहित सिद्धांतों, प्रावधानों और परंपराओं पर मोदी सरकार के सभी हमलों का विरोध करते रहेंगे।'' रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने 'नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) 2019' को चुनौती दी जिस पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई जारी है। उन्होंने कहा कि 'आरटीआई (सूचना का अधिकार) अधिनियम, 2005' में 2019 के संशोधनों को भी कांग्रेस ने चुनौती दी जिस पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई जारी है। कांग्रेस नेता ने कहा, '' 'निर्वाचन का संचालन नियम (2024)' में संशोधनों की वैधता को कांग्रेस ने चुनौती दी और उसकी उच्चतम न्यायालय में सुनवाई हो रही है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, '' 'उपासना स्थल अधिनियम, 1991' की मूल भावना को बनाए रखने संबंधी कांग्रेस की

याचिका पर उच्चतम न्यायलय में सुनवाई की जा रही है।'' विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों ने बुधवार को कहा कि आज सरकार की नजर मुसलमानों की संपत्ति हड़पने पर है, कल अन्य धार्मिक समुदायों की संपत्ति निशाने पर होगी। कांग्रेस के के. सी. वेणुगोपाल ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि सरकार से अपेक्षा थी कि वह किसानों की कमाई दोगुनी करने के लिए या युवाओं के कल्याण के लिए कोई कानून बनाती, लेकिन इसका एक मात्र एजेंडा भारत माता को बांटना है। उन्होंने वैष्णो देवी एक्ट का हवाला देते हुए पूछा कि धर्म के आधार पर वक्फ बोर्ड में किसी अन्य समुदाय के लोगों को क्यों लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिरों के ट्रस्ट में जब गैर-हिन्दू सदस्य नहीं होते हैं तो फिर वक्फ के लिए दोहरा मानदंड क्यों? उन्होंने कहा, ''आज आप मुस्लिम के खिलाफ हैं, कल ईसाई के खिलाफ होंगे, परसों सिख के खिलाफ होंगे। आपका एजेंडा राजनीतिक लाभ के लिए देश को बांटना है।''उन्होंने कहा, ''आप देश को धर्म के नाम पर बांटना चाहते हैं, क्योंकि आपने आम लोगों के लिए कुछ नहीं किया है।'' कांग्रेस के ही मोहम्मद जावेद ने कहा कि सरकार मुसलमानों की जमीन हड़प लेना चाहती है और इसमें जेडीयू, टीडीपी और एलजेपी जैसी पार्टी सहभागी हैं। उन्होंने कहा कि इस कानून के पारित होने के बाद देश की आधी आबादी अदालत के चक्कर लगाती रहेगी। उन्होंने विधेयक को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि यदि सरकार ईमानदार है तो मुसलमानों को व्यापक भागीदारी देकर नया विधेयक लाये।जावेद ने कहा कि मोदी सरकार पहले दिन से ही मुसलमानों को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा, ''(आपसे) दरख्वास्त है कि हिन्दुस्तान के लोगों को आपस में लड़ाने का प्रयास न करें।'' राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह ने विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि यह संशोधन विधेयक केवल एक मसौदा नहीं, बल्कि मानव अधिकारों का उल्लंघन करने का जरिया साबित होगा।उन्होंने कहा कि आज सरकार की नजर मुसलमानों की वक्फ संपत्तियों पर है, आगे अन्य धर्म के लोगों की संपत्तियों पर होगी। उन्होंने कहा कि कल बौद्ध निशाने पर होंगे और आने वाले समय में हिन्दुओं के मंदिरों को भी सरकार के इस दंश को झेलना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी एक तरफ तो खुद को मुसलमानों की हितैषी बता रही है, लेकिन दुर्भाग्य से उसका एक भी मुस्लिम सांसद नहीं हैं।वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम समुदाय के लोगों को शामिल करने के सरकार के प्रयास पर टिप्पणी करते हुए सिंह ने पूछा कि राम मंदिर ट्रस्ट में महिलाओं और पिछड़ों को आरक्षण क्यों नहीं दिया गया था। समाजवादी पार्टी के मोहिबुल्लाह ने कहा कि यह विधेयक न केवल मुसलमानों के बुनियादी अधिकारों के खिलाफ बल्कि समानता के अधिकार के खिलाफ भी है और इसे मुसलमानों की जमात कभी मंजूर नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि मुसलमान इस मसौदा कानून को नहीं मानेंगे।सपा की ही इकरा चौधरी ने कहा कि वक्फ 'बाई यूजर' के प्रावधानों के जरिये संपत्ति हड़पने की साजिश की जा रही है। वाईएसआर कांग्रेस के पीवी मिथुन रेड्डी ने विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 14, 25 और 26 में प्रदत्त अधिकारों के खिलाफ है।सीपीआई (एम) के के. राधाकृष्ण ने भी विधेयक का विरोध किया। आप के गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि 11 साल से मुसलमानों के प्रति सरकार का क्या रवैया है, यह दिख रहा है।जएमएम के विजय कुमार हंसदाक ने भी विधेयक का विरोध किया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार के उस दावे की हवा निकाल दी जिसमें कहा जा रहा है कि यह बिल मुस्लिम समुदाय की भलाई के लिए लाया गया है। उन्होंने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि तस्वीर मौजूदा सरकार द्वारा बीते पांच साल के दौरान अल्पसंख्यक विभाग के लिए बजट आवंटन से साफ हो जाती है। खड़गे ने कहा कि 2019-20 में इस विभाग का बजट आवंटन 4700 करोड़ रुपए था जो घट कर 2023-24 में 2608 करोड़ रह गया। 2022-23 में बजट आवंटन 2612 करोड़ रुपए था जिसमें से 1775 करोड़ रुपए का खर्चा मंत्रालय कर ही नहीं कर पाया। कुल मिला कर पांच सालों में बजट मिला 18274 करोड़ रुपया, जिसमें से 3574 करोड़ व्यय नही हो पाया। खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने 2020 से मौलाना आज़ाद फेलोशिप, पढ़ो प्रदेश योजना, निशुल्क कोचिंग, यूपीएससी और राज्य आयोगों में तैयारी के लिए अल्पसंख्यक छात्रों की सहायता की योजना बंद कर दी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद 1954 और 1995 में कानूनी पहल हुई। 2013 में राज्य वक्फ बोर्डों की मजबूती के लिए अधिनियम में संशोधन हुआ। यूपीए के दौरान 2013 में केंद्रीय वक्फ में 2 मुस्लिम महिलाओं को शामिल करने का प्रावधान रखा गया था। खुद बीजेपी ने दोनों समय, 1995 और 2013 में इन संशोधनों का समर्थन किया था। 1995 में राज्य सभा में सिकन्दर बख्त और लोक सभा में बन्दरू दत्तात्रेय ने अपनी बात रखते हुए समर्थन किया था।

ईडी ने चेन्नई में एम्पुरान निर्माता गोकुलम गोपालन कार्यालय की छापेमारी की

स्वतंत्र प्रभात

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन की चल रही जांच के तहत शुक्रवार को चेन्नई में गोकुलम समूह के कार्यालय की तलाशी ली। यह तलाशी अभियान कोडम्बक्कम स्थित समूह के परिसर में चलाया गया और इसका नेतृत्व ईडी की कोच्चि इकाई ने अपने चेन्नई समकक्षों के साथ समन्वय में किया। गोकुलम गोपालन की अगुआई वाला गोकुलम ग्रुप 2023 से ईडी की जांच के दायरे में है। गोपालन, जिनसे इस मामले के सिलसिले में पहले ही कई बार पूछताछ की जा चुकी है, व्यापार और मनोरंजन जगत में एक प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। उनके व्यवसायिक हित चिट फंड, वित्त, फिल्म निर्माण, खेल और आतिथ्य क्षेत्र में फैले हुए हैं। गोपालन विवादास्पद फिल्म एम्पुरान के निर्माता भी हैं, जिसने हाल ही में भाजपा सदस्यों के बीच आक्रोश पैदा किया था, जिसके कारण कई दृश्यों की छंटाई की गई थी। हालांकि, ईडी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि चल रही छापेमारी फिल्म विवाद से संबंधित नहीं है और केवल फेमा उल्लंघन की जांच पर केंद्रित है। मलयालम एक्टर मोहन लाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म एल2 एम्पुरान विवादों में घिर गई है। केरल हाईकोर्ट में बीजेपी नेता वीवी विजेश ने एक रिट याचिका दायर कर फिल्म को बैन करने की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए इसे पब्लिसिटी स्टंट बताया। वीवी विजेश बीजेपी त्रिशूर जिला समिति के सदस्य हैं। उन्होंने फिल्म में गोधरा कांड के बाद हुए सांप्रदायिक दंगों के दिखाने आपत्ति जताई थी। याचिका में कहा कि इससे सांप्रदायिक हिंसा भड़कने का खतरा है।फिल्म ने 5 दिन के अंदर 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। दरअसल 27 मार्च को फिल्म के रिलीज हुई थी। उसी दिन संघ परिवार ने सोशल मीडिया पर फिल्म की कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद मोहनलाल ने फेसबुक पोस्ट के जरिए खेद जताया और कहा कि आपत्तिजनक हिस्से हटा दिए जाएंगे।रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म को फिर से एडिट किया है। हालांकि बीजेपी नेता वीवी विजेश ने मोहनलाल के बयान को जनता को फिल्म देखने के लिए मजबूर करने का एक मार्केटिंग एजेंडा करार दिया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि फिल्म में रक्षा मंत्रालय के बारे में ऐसी टिप्पणियां की गई हैं, जो इसकी विश्वसनीयता और अखंडता को नुकसान पहुंचाएंगी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि फिल्म से सांप्रदायिक हिंसा भड़कने का खतरा है। याचिकाकर्ता ने अपने आरोप में आगे कहा कि फिल्म के डायरेक्टर पृथ्वीराज को अपनी फिल्मों के जरिए एनडीए सरकार को निशाना बनाकर उसकी छवि खराब करने की आदत है। यह भी आरोप लगाया गया कि फिल्म के प्रोड्यूसर एंटनी पेरुम्बवूर और गोकुलम गोपालन विदेशी फंडिंग के लिए ईडी की जांच के दायरे में हैं।पृथ्वीराज सुकुमारन ने एल2 एम्पुरान को डायरेक्ट किया है। साथ ही उन्होंने फिल्म में एक्टिंग भी की है। फिल्म के जिस सीन को लेकर विवाद चल रहा था, उसे फिल्म से हटा दिया गया है। कोच्चि में पत्रकारों से बात करते हुए फिल्म के प्रोड्यूसर एंटनी पेरुम्बवूर ने कहा कि एडिट का फैसला मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन सहित सभी प्रोड्यूसर का भी था। और यह किसी के डर से नहीं लिया गया था।पेरुम्बवूर ने कहा-%डरने की कोई बात नहीं है। हम एक समाज में रहते हैं। हमारा कभी भी ऐसा कुछ करने का इरादा नहीं था, जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे। अगर कोई फिल्म से नाखुश है तो फिल्म के प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और एक्टर होने के नाते हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम उसकी शिकायत दूर करें।

संक्षिप्त ख़बरें

कार से बरामद की 11 पेटी अंग्रेजी शराब

मथुरा। थाना मांट पुलिस ने तस्करी कर ले जायी जा रही 11 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। शराब तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रभारी निरीक्षक थाना मांट जशवीर सिंह ने बताया कि एसआई भुवनेश कुमार दीक्षित टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। शुक्रवार को सुबह 03.15 बजे यमुना एक्सप्रेसवे पर नोएडा से आगरा की तरफ माइल स्टोन 100 के पास से दो व्यक्तियों दयानंद कुमार यादव पुत्र बाबू लाल यादव निवासी रानीपुर थाना बड़हरिया जिला सिवान बिहार उम्र लगभग 30 वर्ष व श्यामल तिवारी पुत्र मानिक तिवारी निवासी जय बिहार नजफगढ़ थाना नजफगढ़ दिल्ली उम्र लगभग 32 वर्ष को वाहन वोक्सवैगन विन्टो कार नम्बर डीएल13 सी 3850 से तस्करी कर ले जायी जा रही गैर प्रान्त अवैध विदेशी मदिरा 11 पेटी जो हरियाणा से लखनऊ लेकर जा रहा था को गिरफ्तार किया गया, जिनके विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

अभ्युदय योजना में मांगे आवेदन

मथुरा। जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेंद्र पाल सिंह ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत परीक्षा पूर्व प्रतियोगी परीक्षा जैसे यूपीएससी, यूपीपीसीएस, नीट, जेईई, एनडीए, सीडीएस इत्यादि की तैयारी कर रहें प्रतियोगी अभ्यर्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण, कोचिंग में ऑफलाईन प्रवेश के लिए सत्र 2025-26 से शैक्षिक वर्ष एक जुलाई 2025 से 30 अप्रैल 2026 के मध्य निर्धारित किया गया है। इसके लिये आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इच्छुक अभ्यर्थी कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी मथुरा कक्ष संख्या-05 अथवा बीएसए कॉलेज मथुरा से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं तथा आवेदन पत्र में दी गयी सभी प्रतिष्टियों सही सही भरकर समस्त संलग्नकों (शैक्षिक योग्यता, आय, जाति एवं निवास) संबंधी प्रमाण पत्रों सहित कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी कक्ष संख्या-05 राजीव भवन मथुरा में जमा करने की अन्तिम तिथि

किसान नेता के पत्र के बाद रक्षा मंत्री के पीआरओ ने रेलवे के महाप्रबंधक को लिखा पत्र

पत्र लिखकर हारौनी ओवर ब्रिज को शीघ्र पूर्ण करवाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ । लखनऊ-कानपुर रेलवे मार्ग में स्थित हरौनी रेलवे स्टेशन के पास मोहान सड़क मार्ग पर फ्लाईओवर पुल का निर्माण कार्य विगत कई माह से चल रहा है । जबकि सेतु निगम को आबन्टित कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। रेलवे द्वारा एकमात्र कार्य फ्लाई ओवर पुल पर गाटर रखने का किया जाना है,जिससे पुल निर्माण अर्ध निर्मित अवस्था में महीनों से पड़ा हुआ जिससे लोगों तक आवागमन बाधित है। मोहान मार्ग पर निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के कारण आवागमन पूर्ण रुप से बन्द होने से स्थानीय लोगों के साथ व्यापारियों को भी

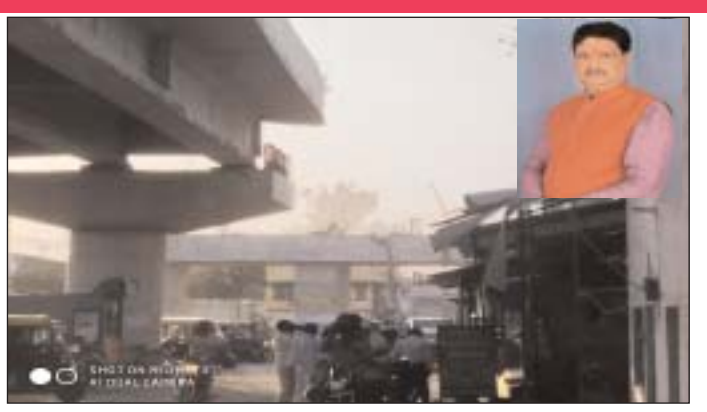

काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। क्षेत्रीय जनमानस की लाख कोशिशों के बावजूद भी रेलवे के उच्चाधिकारी आँख मूँद कर गहरी नींद में सो रहे है। भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय नेता राजेश सिंह चौहान ने देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को क्षेत्र की इस जटिल समस्या के सम्बन में जब पत्र लिखकर अवगत कराया तो रक्षा मंत्री के जनसम्पर्क अधिकारी के0पी0 सिंह ने त्वरित महाप्रवन्धक, उत्तर रेलवे, बड़ौदा हाउस नई दिल्ली को हरौनी रेलवे क्रासिंग पर सेतु निगम द्वारा कराये जा रहे फ्लाईओवर निर्माण में रेलवे विभाग द्वारा अर्धनिर्मित पड़े पुल पर अतिशीघ्र गाटर रखकर, जनहित में निर्माण कार्य पूर्ण करने पर पत्र लिखकर बल दिया। जिससे क्षेत्रीय लोगों में एक आस जाग्रत हुई है।

संगीतयम श्रीमद् भागवत कथा आयोजन से सनातन को मिलेगा बल - आचार्य सुनील कांत

स्वतंत्र प्रभात

माल,लखनऊ । चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मां बाराही देवी मंदिर प्रांगण में आठ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि विकासखंड माल की ग्राम पंचायत सस्पन के अटेर गांव स्थित प्रसिद्ध सिद्ध पीठ मां बाराही देवी मंदिर प्रांगण में चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर आठ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा छठवें दिन शुक्रवार को कथावाचक आचार्य सुनील कांत तिवारी ने कहा कि भगवान की भक्ति से मुक्ति मिलती है। उन्होंने बताया कि राम नाम को जीवन में आत्मसात करने से जीवन संवर जाता है।युवाओं को विशेष संदेश देते हुए संत आचार्य सुनील कांत ने कहा कि माता-पिता की सहमति के बिना की गई शादी से जीवन सफल नहीं होता। साथ ही भक्तों को सनातन संस्कृति से जुड़ने का संदेश दिया। उन्होंने माता-पिता से आग्रह किया कि वे अपनी बेटियों को समय पर संस्कार और धर्म की शिक्षा दें।

हुसैनाबाद में जिला परिषद की दुकानों को लेकर लापरवाही चरम पर

सरकार की रोजगार योजना पर अधिकारियों की बेरुखी ने फेरा पानी

स्वतंत्र प्रभात

हुसैनाबाद, पलामू, झारखंड- राज्य सरकार द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला परिषद की दुकानों का आवंटन बेरोजगारों को किया गया था। लेकिन हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत आंबेडकर चौक स्थित जिला परिषद की दुकान संख्या ⁄-9 और ⁄-10 को लेकर विभागीय लापरवाही और असंवेदनशीलता की तस्वीर सामने आई है।

दुकानें मिलीं, पर रास्ता नहीं - दो वर्षों से सीढ़ी और रेलिंग अधूरी

जुलाई 2022 में लाभुकों को प्रथम तल पर स्थित ये दुकानें आवंटित की गई थीं, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बावजूद वहां जाने के लिए न तो सीढ़ी बनी है और न ही छत की रेलिंग का कार्य पूर्ण हो सका है। लाभुकों ने आवंटन के समय ही इस असुविधा की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी थी। कई समाचार पत्रों ने समाचार प्रकाशित किया था तत्पश्चात तत्कालीन डीडीसी मेघा भारद्वाज के संज्ञान में मामला आया, जिनके निर्देश पर 2023 के अंतिम महीनों में सीढ़ी निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई, किंतु वर्ष 2025 में भी यह कार्य अधूरा पड़ा है।

रोजगार की बजाय बेरोजगारी की ओर धकेलता सिस्टम

राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य था कि बेरोजगारों को व्यावसायिक स्थल उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगार के अवसर दिए जाएं। परंतु दुकानों के उपयोग योग्य न होने के कारण लाभुक आज भी अपने व्यवसाय की शुरुआत नहीं कर सके हैं। परिणामस्वरूप, वे मानसिक, आर्थिक और सामाजिक स्तर पर गहरी पीड़ा झेल रहे हैं।

उल्टा किराया वसूली का नोटिस, नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियाँ

आश्चर्यजनक बात यह है कि विभाग अब उन दुकानदारों को बकाया किराए का नोटिस भेज रहा है, जिन्होंने आज तक दुकान में कारोबार शुरू ही नहीं किया। लाभुकों द्वारा अब तक दर्जनों आवेदन, भौतिक निरीक्षण की मांग, तथा कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ। नियमानुसार, जब तक आवंटित दुकान पूर्ण रूप से उपयोग योग्य न हो और सुरक्षित रूप से उपयोग में लाने लायक न हो, तब तक किराया वसूली नियम के विरुद्ध मानी जाती है। बावजूद इसके विभाग ने न केवल किराया वसूली की प्रक्रिया शुरू की है, बल्कि आवंटन के समय लिए गए एक वर्ष के एडवांस किराए को भी बकाया में जोड़ दिया है।

10 प्रतिशत ब्याज सहित अंतिम नोटिस थमाया गया

लाभुकों को विभाग द्वारा 10 प्रतिशत ब्याज के साथ किराया जमा करने का अंतिम नोटिस दिया गया है, जिससे उनकी

परेशानी और बढ़ गई है।

शिकायतें अनसुनी, जनप्रतिनिधियों ने साधी चुप्पी

लाभुकों ने वर्तमान डीडीसी सब्बीर अहमद, पलामू डीसी एवं जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह को लिखित रूप में कई बार अपनी पीड़ा से अवगत कराया, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे आमजन में प्रशासनिक संवेदनहीनता को लेकर गहरा आक्रोश है।

"दुकान मिली, लेकिन रोजगार नहीं "- छलकी लाभुकों की व्यथा

पीड़ित लाभुकों ने कहा, "सरकार ने रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन दो साल बाद भी दुकान में ताला लगा है। सीढ़ी का काम आज भी अधूरा है, रेलिंग को सिर्फ एक कील के सहारे लगाया गया है। ऐसे में वहां व्यवसाय करना जान जोखिम में डालने जैसा है। अब नोटिस भेजकर हमें मानसिक रूप से तोड़ा जा रहा है।"

जनहित में की गई मांग

लाभुकों ने सरकार से यह स्पष्ट मांग की है कि जब तक दुकान उपयोग योग्य नहीं हो जाती और सुरक्षित मार्ग (सीढ़ी एवं रेलिंग) पूर्ण रूप से तैयार नहीं हो जाता, तब तक किराया वसूली रोकी जाए। साथ ही दोषी अधिकारियों की पुष्टि कर विभागीय कार्रवाई की जाए, जिन्होंने इस मामले को जटिल बनाकर राजस्व हानि को जन्म दिया और अब उसका ठीकरा निर्दोष दुकानदारों के सिर फोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

कानपुर में छात्रा के साथ दो बार बलात्कार कर भागे दबंग, शिकायत पर जांच में जुटी पुलिस

कानपुर। यहां महिलाओं के साथ जारी छेड़खानी और बलात्कार के क्रम में हाई स्कूल हाई स्कूल की छात्रा को भी शिकार बना लिया गया।उसके साथ दो बार रेप करने वाले दबंग अभी तक पकड़े नहीं गए हैं। प्राप्त विवरण के मुताबिक शिवराजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में हाईस्कूल की छात्रा के साथ गांव के दो युवकों ने दो बार दुष्कर्म किया। अब छात्रा के पिता ने पुलिस को तहरीर दी जिसपर पुलिस रिपोर्ट दर्जकर आरोपियों की तलाश कर रही। गांव निवासी पिता ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री गाजियाबाद में चाचा-चाची के रहती है। हाईस्कूल की परीक्षा देने के लिए वह 23 फरवरी को गांव आई थी। उसी समय गांव निवासी शानू व सौरभ ने उसे मोबाइल का एक सिम देकर बात करने के कहा। साथ ही, धमकी दी कि बात न करने पर पिता व भाइयों को जान से मार देंगे। भयवश बेटी उन दोनों से बात करने लगी। रात बेटी घर पर अकेली थी। दोनों दिन दोनों युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

घटना के बाद बेटी ने परिजनों को आपबीती बताई। इसके बाद पिता ने मामले की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई है । पुलिस के अनुसार जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर

यह घिबली-घिबली क्या है?

मनुष्य हमेशा नई-नई चीजों के प्रति आकर्षित होता आया है। खासतौर पर युवा पीढ़ी हमेशा ही नए-नए गेजेट्स को लेकर जिज्ञासु रही है। पीट्सवर्ग यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर एलिजावेथ मिलर का मानना है कि पहले सामाजिक अकेलापन आया या पहले सोशल मीडिया का इस्तेमाल शुरू हुआ। भले इस बहस का कोई अंत न हो लेकिन अकेलापन और सोशल मीडिया दोनों एक-दूसरे की वजह जरूर बने। भारतीय समाज में ऐसे परिवार भी हैं, जहां व्यक्ति परिवार से कटने के बाद सोशल मीडिया का आदी हो रहा है। यानी जब व्यक्ति के पास घर में न कोई बोलने-चालने वाला है, न उसके दुख-दर्द समझने वाला तो वह सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाता है। यहां उसे एक ऐसी दुनिया मिलती है जो जाने-अनजाने उसके दुख-दर्द में भागीदारी करती दिखाई पड़ती है। मिसाल के तौर पर यदि आप फेसबुक पर सिर्फ यह भी लिखकर डाल दें कि आप बीमार हैं तो आपके जल्द स्वस्थ होने की दुआओं के साथ अनेक शुभकामनाएं तुरंत प्रतिक्रिया स्वरूप मिल जाती हैं। खासतौर पर भारत के मध्यम वर्गीय परिवारों में यही हो रहा है। लोगों ने इस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर को तेजी से अपनाया। आजकल हर कोई घिबली, आर्ट का दीवाना है। ओपन एआई के चैट जीटीपी ने नया टूल क्या लांच किया कि लोग पागल हो गए। हालात तो यह हैं कि खुद कम्पनी को लोगों से रिकवेस्ट करनी पड़ी कि थोड़ा संयम रखें क्योंकि लोगों की डिमांड की वजह से स्टूडियो घिबली के कर्मचारी सो भी पा नहीं रहे हैं। हर कोई घिबली से अपनी इमेज को कार्टून की तरह बनाकर इंटरनेट पर डाल रहा है। लोगों अपनी फोटो से एमिनेशन बना रहे हैं। घिबली भले ही आप लोगों के लिए नया हो लेकिन इसकी शुरूआत 1985 में हुई थी।

अपने हैंड-ड्रॉन एमिनेशन के जरिये किस्से-कहानियां कहने वाले इस आर्ट स्टूडियो ने लाखों दिलों को जीता है। इस आर्ट की मदद से कई हिट फिल्में बनी हैं जो एआई की मदद से आप तक पहुंची हैं। घिबली की जड़ें जापान से जुड़ी हुई हैं। हायाओ मियाजाकी एनिमेटर ने इसकी शुरूआत की थी। उन्होंने इस एनिमेटर आर्ट का इस्तेमाल कर कई फिल्में और टीवी सीरियल बनाए हैं तथा इसी आर्ट से बनी एक फिल्म स्पिरिटेड अवे में 2300 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की कमाई की है और खुद उनकी सम्पत्ति 500 करोड़ रुपए के करीब है। घिबली की तस्वीरों को वायरल होने के बाद मियाजाकी ने एआई जनरेटेड एनिमेशन की आलोचना की थी। मियाजाकी ने कहा था कि एआई जनरेटेड एमिनेशन जीवन का अपमान है। वह मानते हैं कि कला का असली सार तभी झलकता है जब इंसान अपने अनुभवों, दर्द, खुशी और संवेदनाओं को चित्रों और कहानियों में उतारता है लेकिन एआई आधारित एमिनेशन इस गहराई से कोसों दूर है। एआई के बढ़ते उपयोग को लेकर दुनियाभर में बहस जारी है। एक वर्ग इसे क्रिएटिव इंडस्ट्री में क्रांति मानता है तो कुछ इसे कला के ?लिए खतरा बताते हैं। एक वर्ग मानता है कि इससे असली आर्ट पीछे रह जाएगी। लोगों के पागलपन के बीच यह भी आशंका व्यक्त की जा रही है कि अपनी फोटो को कार्टून शैली में बदलते लोग अपनी तस्वीरों का सारा एसेस घिबली को दे देते हैं, जिससे भविष्य में इन तस्वीरों का दुरुपयोग हो सकता है। एक बार जब आप सोशल मीडिया पर एक्टिव हो जाते हैं तो घर परिवार से आपका ताल्लुक बहुत कम हो जाता है। इस स्थिति में आप यह इच्छा करते हैं कि अब वापस अपने परिवार के बीच लौट जाएं तो यह मुमकिन नहीं हो पाता या तो आपके परिवार के सदस्य दूसरी जगह व्यस्त हो चुके होते हैं या फिर वे भी सोशल मीडिया पर ही सक्रिय हो जाते हैं। यह स्थिति तो अब आमतौर पर घरों में भी देखी जा रही है कि घर में चार सदस्य बैठे हैं और चारों अपने-अपने मोबाइलों पर फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। चारों के बीच कोई संवाद नहीं होता। आलम यह होता है कि पति एक कमरे में बैठा खाना खा रहा है और पत्नी दूसरे कमरे में बैटी कोई काम कर रही है। मोबाइल उसके भी एकदम करीब रखा है। पति सब्जी मांगने के लिए पत्नी को व्हाट्सएप करता है। पत्नी अंदर से आकर पति को सब्जी देती है। सब्जी मांगने की यह प्रक्रिया देखने में छोटी सी लग सकती है लेकिन सोचिए कि एक ही घर में रहते हुए पति-पत्नी सीधे संवाद नहीं करते, बल्कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। इसका एक अर्थ यह भी है कि दोनों पति-पत्नी हर समय सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। आखिर सोशल मीडिया में ऐसा क्या है कि वह आपको रियल वर्ल्ड से काटकर अपनी ओर आकर्षित कर रहा है? दरअसल सोशल मीडिया पर लगातार आने वाले नोटिफिकेशन आपके ब्रेन को एक्टिव बनाए रखते हैं। आपके स्टेटस पर मिलने वाले लाइक्स या कमेंट्स आपको एक छद्म खुशी का अहसास कराते हैं या आपके अस्तित्व को प्रमाणित करते हैं। सोशल मीडिया के प्रति लोगों की दिवानगी इस कद्र बढ़ गई है कि वह समाज और परिवार से कट गए हैं। पता नहीं लोग समाज से संवाद कैसे स्थापित करें।

वक्फ बोर्ड की जमीन-जायदाद

मुस्लिम वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर देश की विपक्षी पार्टियां जिस तरह गफलत में दिखाई पड़ती हैं उसका कारण भारत की जमीनी हकीकत से नावाकिफ होना है। वक्फ की सम्पत्तियों का देश में जिस तरह जाल फैला हुआ है उससे आम भारतीय प्रभावित न होता हो, ऐसा नहीं है। अतः केन्द्र की मोदी सरकार इस सम्बन्ध में जो विधेयक लाई है उसका स्वागत सामान्य तौर पर देश की जनता करती दिखाई पड़ती है। इस बारे में मुस्लिम वक्फ बोर्डों की विभिन्न राज्यों में जो गतिविधियां रही हैं उन्हें देखते हुए नागरिकों में भीतर ही भीतर रोष रहा है। भाजपा ने इस रोष का संज्ञान लेते हुए ही वक्फ संशोधन विधेयक रखा है। बेशक वक्फ बोर्ड का इतिहास 1913 से अंग्रेजों के शासन के दौरान तक रहा है और इसके बाद समय-समय पर इसमें संशोधन होते रहे। इन संशोधनों में सबसे बड़ा संशोधन 1995 में तत्कालीन कांग्रेस की नरसिम्हाराव सरकार के दौरान किया गया। यह वह दौर था जब देश में राम जन्मभूमि को लेकर उपजे आन्दोलन का अन्त हो चुका था। अयोध्या में स्थित बाबरी मस्जिद को 1992 के दिसम्बर महीने में ढहा दिया गया था। इसके बाद मुसलमानों को खुश रखने के लिए नरसिम्हा राव सरकार वक्फ संशोधन विधेयक लेकर आयी थी। इस कानून में तब जो परिवर्तन किये गये थे उसमें सबसे बड़ा संशोधन यह था कि किसी जमीन या जायदाद के बारे में वक्फ बोर्ड का फैसला अन्तिम था जो कि एक ट्रिब्यूनल के माध्यम से होता। ट्रिब्यूनल के फैसले को दीवानी अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती थी और केवल पुनर्विचार याचिका ही न्यायालय में दाखिल की जा सकती थी। इसके बाद 2013 में मनमोहन सरकार में इसमें संशोधन किया। इससे वक्फ बोर्डों को यह अधिकार मिल गया था कि वह जिस जमीन या जायदाद पर अपना दावा पेश कर दे वह उसी की मानी जाती थी। इसके साथ ही जिस जमीन का उपयोग पहले से ही धार्मिक कार्य के लिए कोई व्यक्ति कर रहा हो उसे भी वक्फ की जमीन ही माना जाना लाजिम बना दिया गया था। ऐसे नियम की जद में वे ऐतिहासिक स्थल भी आ गये थे जो पुरातत्व संरक्षण में चल रहे थे। अतः जो संशोधन विधेयक अल्पसंख्यक मन्त्री श्री किरण रिजीजू ने संसद में रखा वह सभी ऐतिहासिक व पुरातत्व महत्व के स्थलों को वक्फ के चंगुल से निकालता है। पूरे देश में ऐसी ऐतिहासिक इमारतें चारों तरफ फैली हुई हैं जिनका रखरखाव पुरातत्व विभाग करता है। मगर ऐसे स्थलों पर नमाज पढ़कर इन्हें धार्मिक चश्मे से देखने की कोशिश वक्फ बोर्ड करता था। श्री रिजीजू ने ऐसे सभी स्थलों को वक्फ जायदाद से बाहर कर दिया है। इसके साथ यह भी हकीकत है कि 1995 के बाद से वक्फ की सम्पत्तियों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इन सम्पत्तियों का संज्ञान 2006 में मुसलमानों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का जयाजा लेने वाली सच्चर समिति ने लिया था और कहा था कि तब तक वक्फ की कुल चार लाख 90 हजार सम्पत्तियों से वार्षिक आय 163 करोड़ रुपए की होती थी। सच्चर समिति का कहना था कि यदि इन सम्पत्तियों का सही उपयोग किया जाये तो आय कम से कम दस हजार करोड़ रुपए की होनी चाहिए परन्तु अब ये सम्पत्तियां बढ़कर नौ लाख के करीब हो गई हैं परन्तु इनसे आय और भी घट गई है। सच्चर समिति का कहना था कि वक्फ की सम्पत्तियों से आय बढ़ाकर इसका उपयोग गरीब मुसलमानों की आर्थिक मदद में किया जा सकता है क्योंकि समिति ने यह भी पाया था कि भारत में मुसलमानों की स्थिति अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों से भी बदतर है। अतः समझने वाली बात यह है कि वक्फ का मसला हिन्दू-मुसलमानों का मसला नहीं है बल्कि यह मानवीय मसला है क्योंकि देश के 90 प्रतिशत मुसलमान पसमान्दा मुसलमान हैं जो किसी तरह अपनी दो वक्त की रोटी का जुगाड़ कर पाते हैं। इसलिए श्री रिजीजू ने वक्फ विधेयक में प्रावधान रखा है कि केन्द्रीय स्तर पर बनने वाली राष्ट्रीय वक्फ परिषद में मुसलमानों के सभी मुख्य फिरकों के प्रतिनिधि रखे जायेंगे और महिलाओं के साथ ही पसमान्दा मुसलमानों के नुमाइन्दे भी होंगे तथा मुसलमानों के अलावा अन्य धर्म के मानने वाले लोगों का भी प्रतिनिधित्व होगा। यह कहा जा रहा है कि इससे मुसमानों के आन्तरिक धार्मिक मसलों में मदालखत होगी जो कि पूरी तरह सत्य नहीं है क्योंकि वक्फ की जमीनों की देखभाल करने के लिए मुतल्लवी या प्रबन्धक होता है। वह हर हालत में मुसलमान ही होगा। इसमें किसी भी प्रकार की बुराई नजर नहीं आती है क्योंकि यह धार्मिक मामलों में सरकार का हस्तक्षेप नहीं है बल्कि जमीन-जायदाद की देखभाल करने का सवाल है। इस बारे में देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों ने अभी तक जो फैसले दिये हैं उनमें वक्फ बोर्डों को एक वैधानिक संस्था माना गया है न कि धार्मिक। सवाल यह है कि जब हम ढोल पीट-पीट कर यह दुहाई देते हैं कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है तो मुसलमानों का कोई मसला आते ही क्यों हमारा गला सूखने लगता है? श्री रिजीजू ने जब संसद में विधेयक रखकर यह कहा कि भारत के वक्फ बोर्डों के पास पूरी दुनिया में सबसे अधिक दान में मिली जमीन-जायदाद है तो इसका उपयोग गरीब मुसलमानों के हित में क्यों नहीं किया जाना चाहिए। वक्फ बोर्डों को हमने भूमि हथियाने वाले माफिया में क्यों बदल डाला है। जबकि आम मुसलमान अपनी जमीन-जायदाद जन कल्याण के लिए दान या वक्फ करता है। वक्फ की जमीन अल्लाह की जमीन होती है अतः इसका उपयोग भी उसके बन्दों की खिदमत में होना चाहिए। भारत में जमीन-जायदाद के वैध कागजों के साथ ही उसका आंकलन जाता किया है अतः वक्फ की गई जायदाद के कागजात भी होना जरूरी है। जबकि कुछ लोग सरकारी जमीनों को भी वक्फ की जमीन बताने से नहीं हिचकते। इस नये विधेयक से ऐसे सभी दावों का पर्दाफाश भी होगा।

भारत सिंह पर कृपा कीजिये महाराज

आप भारत सिंह को नहीं जानते। भारत सिंह कुशवाह ग्वालियर के साँसद हैं। ज्यादा पढ़े लिखे नहीं हैं,लेकिन मप्र विधानसभा के सदस्य और मंत्री रह चुके है। पेशे से किसान हैं और मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की वजह से राजनीति में अपनी पहचान बना पाए हैं। भारत सिंह कुशवाह की किस्मत देखिये की वे 2023 में विधानसभा का चुनाव हार गए लेकिन 2024 में लोकसभा का चुनाव 70 हजार वोटों से जीत गए। भारत सिंह कुशवाह की तकलीफ ये है कि ग्वालियर के साँसद होते हुए भी उन्हें एक साँसद की तरह न काम करने दिया जा रहा है और न विकास का मसीहा बनने दिया जा रहा।

आप ये जानकर हैरान होंगे किभारत सिंह कुशवाह के रास्ते में आड़े आ रहे हैं गुना के सांसद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया। सिंधिया भले ही गुना के साँसद हैं लेकिन वे आधे मध्यप्रदेश को [यानि पुरानी सिंधिया रियासत के भू-भाग को] अपनी रियासत ही समझते हैं। वे अकेले गुना के लिए नहीं बल्कि भिंड,मुरैना और ग्वालियर के लिए भी काम करते है। उन्हें विदिशा,उज्जैन जैसे इलाकों की भी फ़िक्र रहती है। उन्हें लगता है कि वे आज भी पुरानी ग्वालियर रियासत के महाराज हैं, इसलिए उन्हें इस पूरे इलाके की फ़िक्र करना चाहिए।

इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि भारत सिंह कुशवाह के मुकाबले ज्योतिरादित्य सिंधिया की राजनीतिक विरासत सौ गुना ज्यादा है। भारत सिंह के पुरखे भी शायद सिंधिया रियासत की रियाया रहे होंगे ,किन्तु भारत सिंह तो आजाद भारत के भारत सिंह हैं और स्वयं सांसद भी हैं ठीक उसी तरह जैसे की ज्योतिरादित्य सिंधिया है। भारत सिंह की मुश्किल ये है कि वे हिम्मत कर ग्वालियर के लिए केंद्र से जिन तमाम योजनाओं के लिए भागदौड़ करते हैं उनके स्वीकृत होते ही वे सब योजनाएं सिंधिया अपने खाते में दर्ज करा देते हैं। जाहिर है कि सिंधिया का आभा मंडल है। उनकी दादी, पिता, बुआ तक सांसद रहीं हैं। वे किसी भी केंद्रीय मंत्री ही क्या प्रधानमंत्री जी से भी आसानी से मिल सकते हैं और किसी भी योजना को स्वीकृत भी करा सकते हैं, लेकिन उन्हें भारत सिंह को भी तो कुछ करने देना चाहिए।

ग्वालियर का जिला प्रशासन भी भारत सिंह को एक सांसद की तरह महत्व नहीं देता, खासतौर पर तब, जब महाराज यानी ज्योतिरादित्य सिंधिया खुद मैदान में हों। स्थिति ये बन गयी है कि अक्सर भारत सिंह कुशवाह को सरकारी बैठकों में, कार्यक्रमों में आमंत्रित ही नहीं किया जाता। अब खुद भारत सिंह उन कार्यक्रमों से कन्नी काटने लगे हैं जिनमें केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मौजूद होते हैं। कायदे से तो सिंधिया को वरिष्ठ होने के नाते भारत सिंह को अपने साथ रखकर उनका रास्ता आसान करना चाहिए था किन्तु वे श्रेय में किसी को भागीदार नहीं बनाते, बेचारे भारत सिंह कुशवाह की तो हैसियत ही क्या है ?

आपको बता दें कि सिंधिया ने भारत सिंह से पहले ग्वालियर के साँसद रहे विवेक नारायण शेजवलकर को भी आत्मनिर्भर सांसद नहीं बनने दिया। हालाँकि विवेक नारायण शेजवलकर भारत सिंह के मुकाबले ज्यादा पढ़े लिखे [इंजीनियर] साँसद थे। उनके पिता भी सांसद रहे। विवेक नारायण शेजवलकर तो महापौर भी रहे ,लेकिन शेजवलकर ने सिंधिया का लिहाज किया ,पर सिंधिया ने शेजवलकर का लिहाज नहीं किया । शेजवलकर से पहले नरेंद्र सिंह तोमर ग्वालियर के साँसद थे,लेकिन उनका कद पार्टी में इतना बड़ा था कि सिंधिया तोमर को अपनी छाया के अधीन नहीं कर पाए। तोमर ने भी सिंधिया को उतने समय ही महाराज माना जितने समय कि दिखाने के लिए जरूरी

था। अब भारत सिंह कुशवाह और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच की बढ़ती खाई का मामला पार्टी हाईकमान के साथ ही आरएसएस तक भी पहुँच चुका है। पर मजा देखिये कि पार्टी है कमान और संघ परिवार भी भारत सिंह के साथ खड़े होने के लिए राजी नहीं हैं। अब बेचारे भारत सिंह कुशवाह अपनी लड़ाई अकेले कब तक लड़ें ? भारत सिंह कुशवाह के राजीनतिक गुरु विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमार भी खुलकर सिंधिया का विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। सिंधिया आखिर सिंधिया है। उन्हें विकास का मसीहा बनने से कौन रोक सकता है ? भारत सिंह कुशवाह और सिंधिया में तनातनी नई नहीं है।कुछ समय पहले भी जीवाजी विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सिंधिया, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और राज्यपाल मांगूभाई पटेल ने प्रतिमा का अनावरण किया था। इस दौरान सांसद मौजूद नहीं थे। तब भी यह बात निकलकर आई थी कि उन्हें बुलाया ही नहीं गया था। वहीं, रविवार को भी केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने भी जब बजट को लेकर प्रेसवार्ता की तो उसमें भी सिंधिया समर्थक ऊर्जा मंत्री तोमर और अन्य समर्थक तो नजर आए लेकिन जिलाअध्यक्ष तक नजर नहीं आए। भारत सिंह कुशवाह ने जब ज्यादा असंतोष जताया तो कुछ समय के लिए सिंधिया ने ग्वालियर में अपनी सक्रियता कम की किन्तु वे ज्यादा दिन ग्वालियर से दूर नहीं रह पाये । अब वे फिर सक्रिय हैं और पूरी तरह सक्रिय हैं। सिंधिया की छाया से अकेले भारत सिंह कुशवाह ही परेशान नहीं है अपितु कांग्रेस के राज्य सभा सदस्य अशोक सिंह भी दुखी है। वे सिंधिया की वजह से ग्वालियर में अपनी सांसद निधि से ऐसा कोई काम हाथ में नहीं ले पाए जोउन्हें एक साँसद के तौर पर पहचान दिला दे। अशोक सिंह के पिता स्वर्गीय राजेंद्र सिंह और पितामह डोंगर सिंह कक्का सिंधिया परिवार के विरोधी रहे, लेकिन बाद में अशोक सिंह ने हथियार डाल दिए और 2007, 2009, 2014 और 2019 में ग्वालियर से सभा का चुनाव ग्वालियर सीट से लड़ा जरूर किन्तु सिंधिया ने न उन्हें चुनाव जिताया और न जीतने दिया। अशोक सिंह कांग्रेस में दिग्विजय सिंह खेमे से आते हैं।

अब देखना ये है कि सिंधिया की छत्र छाया से ग्वालियर के भाजपा साँसद भारत सिंह कुशवाह और कांग्रेस के राज्य सभा सांसद अशोक सिंह कितने दिन तक बचे रह सकते हैं ? इन दोनों में सिंधिया का मुकाबला करने की क्षमता हालांकि है नहीं। फिर भी समय किसने देखा है। वैसे भी सिंधिया के पास झंडावरदारी के लिए उनकी अपंनी पुरानी कांग्रेसियों की टीम है ही, उसमें अब कुछ भाजपाई भी शामिल हो गए हैं।

राकेश अचल

संपादकीय

भारत में हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियों का खंडित होना कब रूकेगा?

भारत को संवैधानिक दृष्टि से धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र का दर्जा प्राप्त है। स्पष्ट है कि सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त है अथार्त अपने धर्म के अनुसार जीवन जीने, पूजा-अर्चना करने की स्वतंत्रता है। वास्तव में यह एक सांस्कृतिक भावना है जहाँ हर धर्म, संप्रदाय और विचारधारा को उचित सम्मान मिलता है। यहाँ राम, रहीम, ईसा, बुद्ध और नानक सभी पूजे जाते हैं। यही विविधता भारत को विशिष्ट बनाती है। धर्मनिरपेक्षता केवल एक संवैधानिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा है,जो लोकतंत्र को मजबूत करती है, सभी को साथ लेकर समरस, शांतिपूर्ण, आत्मनिर्भर तथा प्रगतिशील भारत के निमार्ण के लिए सहयोग करने का संदेश देती है।

किन्तु इसका मतलब यह कदापि नहीं कि कोई भी व्यक्ति या समूह अपने धर्म के नाम पर देश के कानून का उल्लघंन कर सकता है, दूसरों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है, हिंसक गतिविधियों को अंजाम दे सकता है, दूसरे धर्म का मजाक उड़ा सकता है एवं अपमान कर सकता हैं, धार्मिक स्थलों को नुक्सान पहुंचा सकता है, किसी का जबरन या धोखे से धर्म परिवर्तन करा सकता है आदि। इसे देश का दुर्भाग्य ही कहेंगे कि स्वतंत्रता के कई दशक गुजरने के बाबजूद भी धर्मनिरपेक्षता की मूल अवधारणा को कई बार चुनौती मिलती दिखाई देती है, धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक समरसता कमजोर होती नजर आती है। कई बार विविध कारणों से धार्मिक भावनाओं को भड़का कर कुछ असामाजिक तत्व और देश में अमन, शांति, सौहार्द, सद्भावना, भाईचारे के माहौल से प्यार न करने वाले लोगों द्वारा समाज में तनाव और भेदभाव की स्थिति उत्पन्न की जाती रही है, सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुँचाया गया है।उदाहरण के लिए हैदराबाद, तेलंगाना (अक्टूबर 2024) के सिकंदराबाद के मुथ्यालम्मा मंदिर में देवी की मूर्ति को खंडित किया गया,शमशाबाद, तेलंगाना (नवंबर 2024) में हनुमान मंदिर में नवग्रह मूर्तियों को तोड़ा गया। ?अप्रैल 2025 में, उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के कटोरा गांव में स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में मूर्तियों के खंडित होने की घटना सामने आई है। क्या इन घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना मात्र उपाय है? इतिहास में विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा लूट और आंतक के उद्देश्य, विशिष्ट धर्म के प्रचार प्रसार के लिए ऐसा करना समझ में आता है किन्तु आज के स्वतंत्र धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में ऐसी घटनाओं के लिए कोई स्थान कैसे हो सकता है? क्या यह धार्मिक कट्टरपंथियों की गलत सोच का परिणाम है?या फिर ऐसा करने वाले व्यक्ति के मानसिक दिवालियापन का नतीजा है?या फिर विदिशी ताकतों द्वारा देश के सौहार्द को समाप्त करने की सोची समझी रणनीति का नतीजा है?या फिर धर्म विशेष के लोगों द्वारा क्षेत्र विशेष में डरा धमकाकर अपने प्रभाव को बढ़ाने का एक हथकंडा है?या फिर देश की गंगा-यमुना तहजीब को नुक्सान पहुंचाने की कोशिश है या फिर विविध धर्मों के अनुयायियों को आपस में लड़ाकर देश को आगे बढ़ने से रोकने की साजिश है?

कारण कुछ भी हो देश की प्रगति के लिए, सामाजिक सौहार्द के लिए इस तरह के कृत्यों को कभी भी अच्छा नहीं कहा जा सकता।केवल कानून या प्रशासन से इन समस्याओं का स्थाई समाधान नहीं निकल सकता जब तक समाज स्वयं जागरूक, जिम्मेदार, संवेदनशील होकर सभी धर्मों और उनके धर्म स्थलों को आदर और सम्मान देना नहीं सीखता है।

डा मनमोहन प्रकाश

तंत्रमंत्र से करोड़पति बनाने का झांसा देकर यौन शोषण का षडयंत्र!

उत्तरप्रदेश के संभल में पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जिसके बारे में सुनकर लोगों के होश उड़ गए। एक अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य धन वर्षा के नाम पर लड़कियों के साथ गंदी हरकतें करते थे। जिनके पास से करीब 200 लड़कियों के अश्लील वीडियो भी मिले है।

संभल में धनवर्षा के नाम पर गिरोह के पास से पुलिस जांच में 200 से अधिक लड़कियों के अश्लील वीडियो के साथ-साथ कई और भी चीजें मिली हैं जिससे इनके अपराधों का खुलासा हुआ है।ये गिरोह गरीब परिवारों को धनवर्षा के नाम पर फंसाते थे। गिरोह के सदस्य धनवर्षा कराने के नाम पर लोगों को ठगने की योजना बनाते थे। वे गरीब परिवारों को यह विश्वास दिलाते थे कि उनकी बेटी में कोई विशेष शक्ति है जिससे तांत्रिक क्रिया करने पर घर में अपार धनवर्षा हो सकती है। इसके लिए किसी दुर्लभ वस्तु जैसे 20 नख वाला कछुआ, दो मुंहा सांप, उल्लू या विशेष नंबर के नोट पर अनुष्ठान करने की बात कही जाती थी।

परिवार को इस लालच में फंसाकर उनकी बेटियों को तांत्रिक क्रिया के लिए तैयार किया जाता था। इस दौरान घर के अन्य सदस्यों को बाहर भेज दिया जाता था, और अनुष्ठान के नाम पर लड़कियों के साथ गंदा खेल खेला जाता था। गिरोह में तीन कोडवर्ड का इस्तेमाल किया जाता था। कारीगर, मीडिया और आर्टिकल। इस गैंग में दो टीम होती थीं। लोगों को गुमराह वाली टीम को मीडिया कहा जाता था। तंत्र-मंत्र करने वालों कारीगर कहे जाते थे। लड़के, लड़कियों और महिलाओं को आर्टिकल कहा जाता था।

गिरोह के ठग तंत्र क्रिया के दौरान लड़कियों के शरीर का पहले पूजन करते थे और फिर कथित अनुष्ठान शुरू किया जाता था। इस दौरान पीड़ित लड़कियों को क्या किया जाता था, इसकी कोई जानकारी नहीं रहती थी, क्योंकि पूरी प्रक्रिया को गुपचुप तरीके से रिकॉर्ड किया जाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि इन वीडियो को अवैध वेबसाइटों पर बेचा जाता था। लड़कियों के परिवारों को इस बात की भनक तक नहीं लगती थी कि उनकी मासूम बेटियों को किस घिनौनी साजिश का शिकार बनाया जा रहा है

जानकारी के अनुसार धनवर्षा गिरोह गरीब लड़कियों के परिवारों को झांसे में लेकर तंत्र क्रिया करता था। तंत्र क्रिया के दौरान परिवार के लोगों को बाहर कर दिया जाता था और तंत्र क्रिया के दौरान लड़कियों के प्राइवेट पार्ट की पहले पूजा की जाती थी, फिर तंत्र क्रिया शुरू होती थी। तंत्र क्रिया के बाद लड़कियों के साथ क्या होता था, उन्हें खुद भी नहीं पता है। सामने आया है कि उनके वीडियो बना लिए जाते थे। फिर इन वीडियो को पोर्न साइट पर बेचा जाता था। गिरोह तंत्र क्रिया से धनवर्षा का झांसा देकर गरीब लड़के-लड़कियों की तस्करी कर यौन शोषण करता था और दुर्लभ वन्य जीवों की अवैध तस्करी में भी शामिल था। गिरोह का नेटवर्क दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान में फैला हुआ था। पुलिस ने आगरा से गिरोह के 14 आरोपियों को पकड़ा है।

गिरोह से पुलिस ने मोबाइल फोन, तांत्रिक विधाओं में प्रयुक्त सामग्री, दुर्लभ कछुआ और अवैध हथियार बरामद किए हैं। गिरोह का खुलासा तब हुआ जब राजपाल नामक युवक के अपहरण और तंत्र क्रिया कर उसे मारने के प्रयास की सूचना थाना धनारी पुलिस को मिली। गिरोह लोगों को नकदी की बारिश कराने का लालच देता है। गिरोह के सदस्य गरीब परिवारों को यह कहकर फंसाते थे कि उनकी लड़की विशेष गुणों वाली है और उसके ऊपर तांत्रिक क्रिया करने से धन की बारिश होगी। इसके बाद लड़कियों के साथ गंदा खेल करते थे।

तंत्र-मंत्र के नाम पर यह गिरोह सिर्फ लड़कियों का शोषण ही नहीं करता था बल्कि यह वन्य जीवों की अवैध तस्करी में भी शामिल था। इस गिरोह का नेटवर्क दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों तक फैला हुआ था। कई जिलों में इस गिरोह का नेटवर्क बहुत तेजी से फैल रहा थापुलिस ने इस गिरोह के पास से मोबाइल फोन, तांत्रिक क्रिया में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री, दुर्लभ प्रजाति के कछुए और अवैध हथियार बरामद किए हैं। गिरोह के मोबाइल फोन में 200 से अधिक अश्लील वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली हैं, जिनसे इनके घिनौने कृत्यों का खुलासा हुआ है।

एक पीडित युवक राजपाल की शिकायत पर संभल पुलिस ने अजय, संतोष और दुर्जन को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उनके मोबाइल खंगाले तो सभी हैरान रह गए।मोबाइल में तमाम लड़कियों के न्यूड फोटो-वीडियो मिले। एक प्रोफार्मा भी था, जिसमें लड़कियों-लड़कों से उनकी हाइट से लेकर प्राइवेट पार्ट तक की जानकारी भरवाई गई थी। पुलिस ने 14 आरोपियों को अरेस्ट कर धनवर्षा तंत्र क्रिया गिरोह का खुलासा किया।

ये लोग तंत्र क्रिया तो करते थे, क्योंकि इन लोगों के फोन से कई ऐसे वीडियो मिले हैं, जिनमें ये लोग तंत्र-मंत्र करते दिख रहे हैं। जो स्टेशन मास्टर रघुवीर सिंह है, वो तो सूखे नारियल पर बैठकर पूरा लट्टू की तरह घूम जाता था। जो आरोपी पुलिस ने पकड़े हैं, उनमें से 3 तांत्रिक बनने की राह पर थे। वो लोग तंत्र क्रिया करते थे, ऐसा उन लोगों ने खुद बोला है।इनके फोन पर हमें कुछ आपत्तिजनक फोटो-वीडियो मिले हैं। जिनमें कुछ लड़कियां बेहोशी की हालत में जमीन पर न्यूड लेटी हुई हैं। पास में तंत्र-मंत्र का सामान भी रखा है। कई वीडियो में तो उनके साथ रिलेशन तक बनाया गया है।आशंका है कि लड़कियों के वीडियो पोर्न साइट पर बेचे जाते थे। या फिर तंत्र क्रिया के नाम पर इन लड़कियों के साथ फिजिकल रिलेशन बनाते थे। लेकिन एक बात तय है, ये लोग तांत्रिक क्रिया करते थे।

इनका मेन टारगेट लड़कियां ही होती थीं। इनके पास से कुछ ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली हैं। इसके अलावा हमें एक ऑडियो भी मिला है। जिसमें किसी बनारस वाले गुरु का जिक्र हो रहा है। ऑडियो में कहा जा रहा है, बनारस के गुरु को लेकर आओ, अभी उसने 3-4 दिन पहले बहुत बढ़िया काम करके दिया है।

आपको बता दें कि अभी 200 से ज्यादा वीडियो मिल चुके हैं। कुछ लोगों ने तो अपना फोन क्लीन कर दिया था, नहीं तो वीडियो की संख्या और ज्यादा होती। सिर्फ इस साल के 50 से ज्यादा वीडियो हैं।

जांच में पता चला है कि यह गिरोह पिछले 7-8 वर्षों से सक्रिय था और इस दौरान सैकड़ों मासूम लड़कियों और गरीब परिवारों को अपनी साजिश का शिकार बना चुका था। फिलहाल पुलिस गिरोह के 14 लोगों को पकड़ा गया है। मामला अंधविश्वास और लालच का एक घिनौना खेल है, जिसमें निर्दोष लड़कियों को फंसाकर उनका शारीरिक और मानसिक शोषण किया गया। पीड़ित लड़कियों की जानकारी की जा रही है। अभी तक सिर्फ एक पीड़ित सामने आई है। हम लोगों को शक है कि ये नेटवर्क बड़े स्तर पर चल रहा है। लेकिन कैसे चल रहा है, ये पता लगाना है। इन सभी आरोपियों पर ऑर्गनाइज क्राइम, मानव तस्करी, यौन शोषण और वाइल्ड लाइफ एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस केस में किसी लड़की की मौत हुई है या नहीं, इसकी पुलिस टीम जांच कर रही है।

मनोज कुमार अग्रवाल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

काफी जन सिकायतों के बावजूद भी नही कराया जा रहा गली का निर्माण कार्य

सीतापुर। विकासखंड खैराबाद के अहाता कप्तान हबीबपुर निवासी अनुज बाजपेयी पुत्र रमेश चंद्र बाजपेयी ने कई बार ग्राम प्रधान और प्रशासन से गली का निर्माण कराने हेतु अनुरोध किया था। अभी तक निर्माण कार्य नही कराया गया है। पीड़ित ने इस संबंध में राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, पंचायती राज विभाग, जिला मजिस्ट्रेट सीडिओ, डीपीआरओ और ब्क्षह को कई बार अवगत कराया। लेकिन रिपोर्ट में यह कहा जाता है। कि बारिस के कारण निर्माण कार्य में देरी हो रही है। जिससे यह स्पष्ट होता है। कि प्रशासन और ग्राम प्रधान ने जान बूझकर काम को लटका रहे है। आरोप है। कि लग भग 9 से 10 गलत रिपोर्टे प्रस्तुत की गई हैं। कई बार अनुरोध करने के पश्चात दिनांक 2 अप्रैल 2025 को एडिओ और वीडियो खैराबाद द्वारा मौके पर जांच की गई। तत्पश्चात यह कहा गया कि यह मांमला विवादास्पद है। इसमें तहसील स्तर से कार्यवाही होनी चाहिए। तत्पश्चात कार्य प्रारंभ किया जाएगा। पीड़ित ने जिला प्रशासन और प्रदेश शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराते हुए गली का अविलम्ब निर्माण कार्य कराए जाने की मांग की है।

वक्फ बिल के बाद मरकज मस्जिद में पहला जुमा संपन्न, कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण अदा की नमाज़

लहरपुर। सीतापुर के लहरपुर में वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद पहले जुमे की नमाज शांतिपूर्ण रही शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। नगर के शहर बाजार चौराहा स्थित मरकज मस्जिद में बड़ी संख्या में नमाजी एकत्र हुए अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल सुबह से ही क्षेत्र में गश्त करती रहा उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से नमाज अदा करने की अपील की मरकज मस्जिद पर उप जिलाधिकारी आकांक्षा गौतम और कोतवाली प्रभारी विजेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। प्रशासन की सतर्कता और नागरिकों के सहयोग से नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई!!

जंगली जानवर का आतंक गन्ने के खेत में मिला सांड का क्षत-विक्षत शव

लहरपुर सीतापुर। लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में एक जंगली जानवर ने सांड को अपना शिकार बना लिया यह घटना रावल अदेसर गांव में शुक्रवार सुबह की है किसान जब अपनी फसलों की देखभाल के लिए खेतों में गए तो उन्होंने कल्लू यादव के गन्ने के खेत के पास सांड का क्षत-विक्षत शव देखा।

किसानों ने तुरंत ग्राम प्रधान रामपाल को सूचित किया ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी इस इलाके में छोटे-मोटे जानवरों का शिकार हुआ है लेकिन सांड पर हमला पहली बार हुआ है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यह हमला बाघ का हो सकता है वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है!

उप वन क्षेत्राधिकारी हरीश श्रीवास्तव और वन दरोगा राजकुमार वर्मा ने बताया कि जंगली जानवर के पद चिन्हों की तलाश की जा रही है पद चिन्हों से ही पता चल सकेगा कि किस जानवर ने हमला किया है वन विभाग ने किसानों और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है उन्हें खेतों में अकेले जाने की बजाय समूह में जाने को कहा गया है!!

जीएनए ने लखनऊ कार्यालय का किया उद्घाटन

बीकेटी। शिक्षा और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए समर्पित अग्रणी विश्वविद्यालय, जीएनए विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को लखनऊ में अपने अकादमिक आउटरीच कार्यालय के उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करने के लिए आयोजित पत्रकार वार्ता में शिवम उपाध्याय (पार्षद वार्ड नंबर दो, शंकर पूर्व) और सम्मानित गणमान्य व्यक्ति, विश्वविद्यालय के अधिकारी इंजी नीरज कुमार (सहायक प्रोफेसर), शिक्षाविद और प्रेस के सदस्य शामिल हुए।

जीएनए विश्वविद्यालय की स्थापना 2014 में जीएनए समूह के दूरदर्शी नेतृत्व में की गई थी, जिसकी 1946 से समृद्ध विरासत है, जीएनए विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा में लगातार मानक स्थापित किए हैं। लखनऊ में अकादमिक आउटरीच कार्यालय का शुभारंभ विश्वविद्यालय के अपने पदचिह्न का विस्तार करने और उत्तर प्रदेश में इच्छुक छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा तक पहुंच प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जीएनए यूनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर नीरज कुमार ने कहा-हम लखनऊ में अपनी उपस्थिति का विस्तार करके रोमांचित हैं, जो अपनी शैक्षणिक जीवंतता और बौद्धिक कौशल के लिए जाना जाता है। हमारा नया आउटरीच कार्यालय छात्रों के लिए एक पुल के रूप में काम करेगा, जिससे उन्हें जीएनए यूनिवर्सिटी में विभिन्न शैक्षणिक अवसरों का पता लगाने और इंजीनियरिंग, एनीमेशन, फार्मेसी के क्षेत्रों में उद्योग-संरेखित कार्यक्रमों के साथ अपने भविष्य को आकार देने में मदद मिलेगी।

शारीरिक शिक्षा, प्रबंधन, संबद्ध स्वास्थ्य देखभाल, कम्प्यूटेशनल विज्ञान, उदार कला, आतिथ्य और प्राकृतिक विज्ञान। जीएनए यूनिवर्सिटी जीएनए यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप पात्रता परीक्षा या मेधावी छात्रवृत्ति के माध्यम से ट्यूशन फीस में 45त्न तक की छात्रवृत्ति भी दे रही है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ को पेंशन एवं जी0पी0एफ की स्वीकृति प्राप्त हुई

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 31 मार्च, 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले लखनऊ मण्डल के 107 शिक्षक और शिक्षिकाओं में से उप-शिक्षा निदेशक कार्यालय में 81 प्रकरण पेन्शन के और 89 प्रकरण जी0पी0एफ के 31 मार्च, 2025 तक प्राप्त हुए है। जिनमें से 71 शिक्षक और शिक्षिकाओं की पेंशन तथा 70 शिक्षक और शिक्षिकाओं के जी0पी0एफ की स्वीकृति हो गई है। यह जानकारी आज उप- शिक्षा निदेशक रेखा दिवाकर ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा0 आर0पी0 मिश्र, महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, मण्डल अध्यक्ष तुलसी राम मिश्र, मण्डलीय मंत्री जगजीवन प्रसाद शुक्ल के साथ मण्डल के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में दी। उप-शिक्षा निदेशक द्वारा प्रतिनिधि मण्डल को दी गई जानकारी के अनुसार लखनऊ मण्डल के जनपदवार सेवानिवृत्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की पेंन्शन एवं जी0पी0एफ की स्वीकृति का विवरण निम्न हैं- लखनऊ जनपद कुल सेवानिवृत्त (बालक) 31 पेन्शन स्वीकृत 25 जी0पी0एफ स्वीकृत 29, कल सेवानिवृत्त (बालिका) 14+2, पेंशन स्वीकृत 11 जीएफ स्वीकृत 16, हरदोई जनपद कुल सेवानिवृत्त 9 पेन्शन स्वीकृत 7, जी0पी0एफ स्वीकृत 5, रायबरेली जनपद कुल सेवानिवृत्त 17, पेन्शन स्वीकृत 7, जी0पी0एफ स्वीकृत 8, सीतापुर जनपद कुल सेवानिवृत्त 17, पेन्शन स्वीकृत 9, जी0पी0एफ स्वीकृत 8, लखीमपुर जनपद कुल सेवानिवृत्त 4, पेन्शन स्वीकृत 3, जी0पी0एफ स्वीकृत 3, उन्नाव जनपद कुल सेवानिवृत्त 13, पेन्शन स्वीकृत 7, जी0पी0एफ स्वीकृत 5। शिक्षक नेताओं ने बताया कि उप-शिक्षा निदेशक ने बताया कि उनके कार्यालय में प्राप्त शेष प्रकरणों का निस्तारण 03 दिवसों में हो जाएगा और आपत्ति दूर कराकर जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा उनके कार्यालय में जमा होने वाले प्रकरणों की स्वीकृत्ति प्रत्येक दशा में 15 अप्रैल तक हो जाएगा। शिक्षक नेताओं ने बताया कि लखनऊ में इण्डस्ट्रियल इण्टर कालेज के सेवानिवृत्त शिक्षक संजय श्रीवास्तव वैदिक कन्या इण्टर कालेज की शिक्षिका तनुजा मधवार, शशी भूषण बालिका विद्यालय इण्टर कालेज की शिक्षिका सुराजी पंकज तथा लक्ष्मी भगवती गर्ल्स इण्टर कालेज की तदर्थ प्रधानाचार्या डा0 कल्पना श्रीवास्तव के पेंशन प्रकरणों पर आपत्तियॉ है जिनको दूर कराकर शीघ्र ही निस्तारण किया जाएगा। इसी के साथ गली विद्यालय के श्री सुधीर कुमार त्रिपाठी का जी0पी0एफ प्रकरण प्राप्त नहीं हुआ है जबकि जय नारायण इंटर कॉलेज के रमाकांत शुक्ल, मुमताज इंटर कॉलेज के वसीकुर्रहमान, लखनऊ मांटेसरी इंटर कॉलेज केसरी गया प्रसाद, रामपाल त्रिवेदी इंटर कॉलेज के श्री राम सेवक और इंडस्ट्रियल इंटर कॉलेज के श्री संजय श्रीवास्तव के जी0पी0एफ प्रकरण पर आपत्तियां हैं जिन्हें दूर कराकर उनकी स्वीकृति की जाएगी। उप शिक्षा निदेशक रेखा दिवाकर ने बताया कि शेष सभी जी0पी0एफ और पेंशन प्रकरणों की स्वीकृति की जा चुकी है और आज ही जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में भेज दिया जाएगा। सभी सेवानिवृत शिक्षक और शिक्षा का जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से अपना पेंशन आर्डर प्राप्त कर सकते हैं।समीक्षा बैठक में प्रमुख रूप से प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा0 आर0पी0 मिश्र, महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, मंडल अध्यक्ष तुलसी राम मिश्र, मण्डलीय मंत्री जगजीवन प्रसाद शुक्ल सदस्य राज्य कार्यकारिणी अमीर अहमद, कौशल किशोर मिश्र, दीन मोहम्मद रिजवी, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा (लखनऊ), राजीव मिश्र (हरदोई), पंकज श्रीवास्तव (सीतापुर), राकेश कुमार मिश्र (रायबरेली), जिलामंत्री महेश चन्द्र (लखनऊ), शैलेश कुमार बाजपेई (रायबरेली), विश्वजीत सिंह, आलोक पाठक (लखनऊ), कोषाध्यक्ष मनोज कुमार (हरदोई), अनुराग दीक्षित (सीतापुर), चिंरजीव आर्य, सुशील कुमार पाण्डेय, राम विनोद त्रिपाठी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कोतवाली पुलिस ने तीन वांछित वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

स्वतंत्र प्रभात

मिश्रित सीतापुर। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर वांछित / वारंटी गिरफ्तारी के संबंध में चलाए जा रहे अभियान के तहत आज क्षेत्राधिकारी के कुशल नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह, निरीक्षक अपराध अखिलेश कुमार यादव, उप निरीक्षक नयन सिंह, उप निरीक्षक राजेश निषाद, हे. कां. संतराम, कां. संजीव कुमार, कां. विकास, कां. जानेंद्र सिंह, कां. अमित यादव, कां. अजमेर सिंह, कां. उमेश रजक ने धारा 109(1) 3(5)6(2) 352 / 351 (3) वीएनएस के तहत वांछित अभियुक्त राम सिंह यादव उर्फ बंधु पुत्र मूलचंद निवासी शिशिर नगर थाना महोली को नहर पुलिया से 50 मीटर दूरी पर पटरी के किनारे ग्राम प्रीतमपुर ग्रंट से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूंछतांछ के दौरान बताया कि सहंसापुर के रहने वाले हर्षित उर्फ अंकित शुक्ला पुत्र शिव शंकर शुक्ला की प्रधानी तथा पूर्व में उनके भाई के मर्डर की रंजिश हरदोइया प्रधान प्रतिनिधि बबलू उर्फ आदित्य शुक्ला से चल रही थी। इस लिए उनको जान से करने का षड्यंत्र रचा था। इस षड्यंत्र के तहत राम सिंह यादव उर्फ बंधु द्वारा सह अभियुक्त अमरीश कुमार पुत्र गोपीचंद शुक्ला निवासी ढफरापुर तथा भैया लाल निवासी प्रीतमपुर ग्रंट के साथ मिलकर अल्लू दीक्षित उर्फ रमेश चंद्र की डीसीएम संख्या यूपी 34 सी टी 6898 से हरदोइया प्रधान प्रतिनिधि उर्फ आदित्य शुक्ला को जान से मारने की नियत से प्रहार किया था। परंतु उन्होंने अपना हाथ आगे कर दिया। जिससे उनका हाथ टूट गया और वह मौके से भागने में सफल रहे। तभी भैया लाल ने पीछे से तमंचे से फायर कर दिया अभियुक्त अमरीश कुमार को ग्राम ढफरापुर में गन्ने के खेत से गिरफ्तार किया गया। उनकी निशान देही पर घटनास्थल के पास से लोहे की राड बरामद की गई है। वहीं हर्षित उर्फ अंकित शुक्ला को नहर चौराहा से गिरफ्तार कर तीनों अभिक्तों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की गई हैं। वहीं फायर करने वाले भैयालाल की तलास पुलिस व्दारा की जा रही है।

रिटायर शिक्षक सम्मान समारोह व वार्षिक उत्सव समारोह का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

रामपुर मथुरा, सीतापुर कंपोजिट विद्यालय अखरी में सेवा दे रहे श्री विनोद कुमार यादव शिक्षक का 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त हो गए थे। सेवानिवृत्त शिक्षक विनोद कुमार यादव का सम्मान समारोह व वार्षिक उत्सव समारोह को आयोजित किया गया। ग्राम प्रधान जन्मेजय सिंह वर्मा व खण्ड शिक्षा अधिकारी उदय मणि पटेल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया।मंच का संचालन संदीप कुमार के द्वारा किया गया।और इस कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा स्वागत गीत, सरस्वती वंदना,नाटक जैसे अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अंकिता मैम,सहायक अध्यापक अजय कुमार सक्सेना और अनुदेशक जयकरन लाल वर्मा के सहयोग से खंड शिक्षा अधिकारी उदय मणि पटेल के कर कमलो द्वारा स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छा, अंग वस्त्र और धार्मिक पुस्तक देकर सेवानिवृत्ति हुये शिक्षक विनोद कुमार यादव को सम्मानित किया गया। शिक्षक सम्मान समारोह के दौरान विद्यालय परिवार और आये हुए सभी अतिथि शिक्षक भावुक होकर नम आँखों से विदाई दिया। शिक्षा के क्षेत्र में कंपोजिट विद्यालय अखरी में सेवानिवृत्त हुए शिक्षक विनोद कुमार यादव के द्वारा अपने दैनिक जीवन मे शिक्षण कार्य करने में बहुत अच्छी तरीके से नियमों का पालन करते हुए शिक्षण कार्य बड़ी लगन के साथ खूब निभाया।निर्वतमान इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अंकिता ने अपने सम्बोधन में कहा कि विद्यालय परिवार के प्रति कार्य एवं व्यवहार की प्रशंसा जितनी की जाए उतनी ही कम है उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उपस्थित शिक्षकों को उनके कार्यो से सीख लेने की सलाह दिया।खण्ड शिक्षा अधिकारी उदय मणि पटेल ने संबोधित करते हुए और कहा कि ऐसे सेवानिवृत्त शिक्षक अपने अनुभव को साझा करते रहें ताकि शिक्षा क्षेत्र में उनका मार्गदर्शन मिलता रहे।सेवानिवृत्त शिक्षक के स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना की।उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षकों का सहयोग शिक्षा विभाग को मिलता रहना चाहिए, क्योंकि उनके अनुभव को विभाग को हमेशा आवश्यकता रहेगी।सहायक अध्यापक अजय कुमार सक्सेना ने कहा कि शिक्षक कभी रिटायर नहीं होते। वे हमेशा समाज को दिशा देने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों ने अपने जीवन के अनमोल पल समाज को एक नया आईना देने का काम किया है।विद्यालय के सभी कक्षाओं में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले और कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को अंकतालिका और पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया।और स्कूल चलो अभियान बैनर तले नवीन नामांकन की शुरुआत भी की गई।इस कार्यक्रम में सुमन देवी, संगीता वर्मा, मो0एहसान, विनयवर्मा, अखिलेन्द्र प्रताप सिंह,सुंदर लाल ,सुनीता मिश्रा,पंकज वर्मा,पंकज मिश्रा, जंग बहादुर यादव,स्वेत निशा कुमार,अंकित सहाय, मंजरी सिंह,श्री राम चौहान, विनोद कुमार ,अशीष वर्मा ,अनामिका ,सहित कई अन्य परिषदीय विद्यालयो के शिक्षक समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मनायी गयी समाजवादी संत श्रद्धेय भगवती सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। 4 अप्रैल प्रख्यात समाजवादी चिंतक गांधी- लोहिया, राज नारायण, श्रद्धेय मुलायम सिंह जी के अभिन्न सहयोगी,चंद्रभानु गुप्त के लोकतंत्र के सपनों को आजीवन साकार करने वाले जमीनी जन सेवक एवं जनप्रिय नेता भगवती सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि धूमधाम के साथ चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के परिसर में मनायी गयी। महाविद्यालय के समन्वयक अधिकारी अजय सिंह भदोरिया ने बताया कि बाबू भगवती सिंह की पुण्यतिथि पर बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज में स्थित भगवती चौक पर हवन पूजन विद्यालय के प्रबंधक एनके सिंह के द्वारा किया गया तथा बख्शी का तालाब इंटर कॉलेज में उनकी प्रतिमा पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक बाजपेई, पन्नालाल गुप्ता एवं डॉ के के शुक्ला एवं उनके सभी शिक्षकों तथा कर्मचारियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय मे प्रबंधक डॉ तेज प्रकाश सिंह एवं अध्यक्ष डॉ फिदा हुसैन अंसारी, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम पाल के साथ महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों एवं समाजसेवियों ने उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन हुआ कृषि महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं ने भजन के माध्यम से बाबू भगवती सिंह जी को याद किया। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने बताया कि बाबू भगवती सिंह बक्शी का तालाब में तहसील बनाने से लेकर महोना बीकेटी विधानसभा की हर मुख्य सड़क उनके आंदोलन की गवाही देती है मां चंद्रिका देवी स्थल, ऐतिहासिक बक्शी का तालाब का पर्यटन स्थल के रूप में विकास तथा चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय बक्शी का तालाब एवं अनेक विद्यालयों के भवन गोमती नदी पर दर्जनों पुल छठा मील पर दूध मंडी तथा एक दर्जन से अधिक विद्युत सब स्टेशनों की स्थापना उन्हीं के द्वारा हुई है बहुत सारे स्मरणों उनके आज भी जीवंत रूप में दिखाई पड़ते हैं। श्रद्धेय बाबू जी हम लोगों के बीच में सदैव विद्यमान रहेंगे। दृष्टि सामाजिक संस्थान, लखनऊ में दृष्टिहीन मूकबधिर एवं अनाथ बच्चों को भोजन कराया जाएगा। श्रद्धेय भगवती सिंह जी की पुण्यतिथि पर निदेशक प्रो योगेश कुमार शर्मा, प्राचार्य प्रो गजेंद्र सिंह, पूर्व विधायक राजेंद्र यादव, पूर्व विधायक गोमती यादव पूर्व ब्लाक प्रमुख रंजीत यादव जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी जय सिंह जयंत, शैलेंद्र सिंह विदेशपाल यादव देवी बख्स सिंह, सुनील भदोरिया, प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी दिनेश सिंह, अजय रावत विधानसभा अध्यक्ष तथा अजय रतन सिंह, प्रबंध समिति के सदस्य आर पी सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह, शिव कुमार सिंह दिनेश कुमार सिंह सहित बाबूजी के अनुयायियों ने हिस्सा लिया। मंच का संचालन महाविद्यालय के सह आचार्य डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने किया।सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के पूर्व निदेशक प्रोफेसर योगेश कुमार शर्मा ने किया।

वक्फ बिल के बाद सीतापुर में कड़ी सुरक्षा, जुमे की नमाज़ पर पुलिस अलर्ट, ड्रोन से निगरानी

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। वक्फ संशोधन बिल के संसद में पारित होने के बाद सीतापुर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है मुस्लिम बहुल इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। जुमे की नमाज को देखते हुए पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड पर है पुलिस ने पुराने सीतापुर क्षेत्र में फ्लैगमार्च किया स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई। संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन से निगरानी की जा रही है डीएम और एसपी ने कहा कि कानून तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी पुलिस की साइबर टीम सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट और अफवाहों पर नजर रख रही है। गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है डीएम अभिषेक आनंद ने कहा कि जिले में शांति बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है!!

सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, धारा 144 के चलते पुलिस ने रोका

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुरा। जनपद सीतापुर के महमूदाबाद में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध किया पूर्व मंत्री नरेंद्र वर्मा के आवास से निकले कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बीच रास्ते में रोक दिया। यह विरोध करणी सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा दी गई टिप्पणी के खिलाफ था करणी सेना ने राणा सांगा पर अखिलेश यादव की टिप्पणी का विरोध करते हुए उनके खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था इससे सपा कार्यकर्ताओं में रोष उत्पन्न हुआ जुम्मे की नमाज के कारण जिले में धारा 144 लागू थी एसडीएम और सीओ पूर्व मंत्री के आवास पहुंचे सपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें ज्ञापन सौंपा उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति कोई प्रदर्शन नहीं किया जा सकता। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन कार्यकर्ता अपनी मांग पर अड़े रहे सपा नेताओं ने चेतावनी दी है कि करणी सेना के सदस्यों पर कार्रवाई न होने पर आंदोलन जारी रहेगा पुलिस मामले की जांच कर रही है दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी!!

सीतापुर में दंगा नियंत्रण की तैयारी, आंसू गैस और रबर बुलेट के साथ मॉकड्रिल

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर! जनपद सीतापुर में पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र के नेतृत्व में रिजर्व पुलिस लाइन्स में दंगा नियंत्रण का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। परेड ग्राउंड में प्रतिसार निरीक्षक और उनकी टीम ने दंगाइयों पर काबू पाने के तरीकों का प्रदर्शन किया पुलिस बल को आंसू गैस, पायलट गन, रबर बुलेट गन और एंटी राइट गन का प्रशिक्षण दिया गया सभी हथियारों की फायरिंग का अभ्यास कराया गया। इससे आपात स्थिति में इन हथियारों का प्रभावी इस्तेमाल सुनिश्चित होगा अधिकारियों ने पुलिस बल को निर्देश दिए कि शांति भंग करने वालों के खिलाफ न्यूनतम बल का प्रयोग करें साथ ही सख्त कार्रवाई भी करें उन्होंने पुलिसकर्मियों को मानसिक और शारीरिक रूप से सतर्क रहने का निर्देश दिया। पुलिस अधिकारियों ने दंगा नियंत्रण उपकरणों को हमेशा सक्रिय रखने पर जोर दिया मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल की तत्परता, अनुशासन और संकट प्रबंधन क्षमता को बढ़ाना था इससे जिले में कानून-व्यवस्था को बेहतर तरीके से बनाए रखा जा सकेगा!!

मौत के बाद शिक्षक को आवंटित हुआ विद्यालय, जनपद में बना चर्चा का विषय, समूचा शिक्षक परिवार गमगीन

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्तीजिले के कप्तानगंज विकासखंड में शिक्षक की मौत के बाद शिक्षक को विद्यालय आवन्टित होने के लेकर जनपद में चर्चाओं का बाजार गर्म है। बेसिक शिक्षा का समूचा जनपदीय महकमा लाख कोशिश करने के बाद भी अरोपी शिक्षक का कोई आरोप नही सिद्ध कर पाया फिर भी शिक्षक को कई महीनो तक निलम्बित कर प्रताड़ित करता रहा और अन्त में शिक्षक की मौत के बाद शिक्षक को विद्यालय आवंटित कर उसके दिवंगत आत्मा से खिलवाड़ व भद्दा मजाक करने मे बेसिक शिक्षा विभाग ने कोई कोर कसर नही छोड़ा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार स्वर्गीय अखिलेश कुमार मिश्र विकास खण्ड कप्तानगंज के अन्तर्गत स्थित प्रथामिक विद्यालय कल्याणपुर में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात थे जिन्हें बेसिक शिक्षा अधिकारी बस्ती और उनके वसूली कार्यकर्ताओं ने मिलकर साज़िशन कपोलकल्पित आरोप लगाकर विगत 22 नवम्बर 2024 को निलम्बित कर दिया था तभी से श्री मिश्र अस्वस्थ चल रहे थे जिनका इलाज लखनऊ में चल रहा था वहीं पर आज दिनांक 03 अप्रैल 2025 को स्वर्गवास हो गया। प्रकरण में जांच अधिकारी नामित कर जांच करायी गयी परन्तु आरोपी शिक्षक के विरुद्ध कोई भी आरोप पुष्टित नही हो पाया जिसके कारण बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित उनका निलंबन आदेश खुद सवालो के घेरे में है। प्रश्नगत प्रकरण को लेकर लोग यहाँ तक कहने से नही चूक रहे है कि जब प्रकरण में नामित जांच अधिकारी / खण्ड शिक्षा अधिकारी को जांच मे शिक्षक दोषी नही पाया गया तो आखिर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने किन अरोपो के चलते दिवंगत शिक्षक को नम्बर 2024 से मार्च 2025 तक निलंबित रखा और शिक्षक के मौत की खबर जब पूरे जनपद में आग की तरह फैलने लगी तो अपने भ्रष्टाचार व कारनामों को छिपाने के लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी व लुटेरे कार्यकर्ताओं द्वारा समय पूर्व बहाली आदेश जारी करते हुए आनन-फानन में मौत के बाद विद्यालय आवंटन आदेश भी जारी कर दिया गया जिसको लेकर पूरे जनपद में बेसिक शिक्षा अधिकारी के कारनामों की किरकिरी मची हुई है।

250 लोगों पर शांतिभंग की कार्रवाई की गई ड्रोन से निगरानी वक्फ बोर्ड बिल का विरोध, सोशल मीडिया पर पुलिस की नज

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर में वक्फ बोर्ड बिल के विरोध को देखते हुए प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं जुमे की नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। जिले के विभिन्न थानों में 250 लोगों पर शांतिभंग की कार्रवाई की गई है पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा के अनुसार, शहर कोतवाली क्षेत्र में 100 और तंबौर थाने में 60 समेत कुल 250 लोगों को पाबंद किया गया इन सभी लोगों ने मजिस्ट्रेट के सामने जमानत कराई वे पुलिस की निगरानी में रहे ईद के दौरान कुछ लोगों ने काली पट्टी बांधकर विरोध किया था इसे देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल तैनात किया गया है मस्जिदों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है एसपी ने बताया कि पुलिस जमीनी स्तर पर सतर्क है सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है किसी भी अफवाह या भड़काऊ सामग्री को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से दूर रहने की अपील की है साथ ही कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का आग्रह किया है!!

पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई के परिवार से लहरपुर पत्रकारों के एक प्रतिनिधि मंडल ने की मुलाकात दी सांत्वना

स्वतंत्र प्रभात

लहरपुर सीतापुर महोली के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हुई नृशंस हत्या के चलते लहरपुर पत्रकारों के एक प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को मृतक पत्रकार के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और कहा की, लहरपुर के सभी पत्रकार आपके साथ हैं, घटना की निष्पक्ष जाँच कराये जाने की मांग के साथ साथ परिजनों को आर्थिक सहायता व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाए जाने के लिए संघर्षरत हैं। इस मौके पर पत्रकारों ने दिवंगत पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई के पिता महेंद्र बाजपेई को 27500 रुपए भेंट किये और कहा कि इस दुख की घड़ी में लहरपुर क्षेत्र के सभी पत्रकार आपके साथ बराबर के भागीदार हैं।, प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से ज्ञानेंद्र पांडे, अभिनव त्रिवेदी, रवि शाक्य, अंकित अवस्थी, वीरेश तिवारी शामिल थे। ज्ञातव्य है कि लहरपुर के पत्रकारों के द्वारा राघवेंद्र बाजपेई हत्याकांड के विरोध में दो बार प्रदर्शन कर घटना के शीघ्र खुलासे के लिए ज्ञापन देकर मांग की गई थी जिसमें क्षेत्र के सभी पत्रकारों ने प्रतिभाग किया था।

संक्षिप्त ख़बरें

माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार जुलूस या किसी अन्य कारणों से डीजे बजाने पर रहेगी प्रतिबंध

बरही, झारखंड- माननीय उच्च न्यायालय, रांची के पारित आदेश के अनुसार पूरे राज्य में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए ध्वनि प्रदूषण (विनियम और नियंत्रण) नियम, 2000 के अनुपालन करना आवश्यक है। माननीय उच्च न्यायालय ने राज्य के सभी अधिकारियों को जुलूस में या किसी अन्य कारणों से डीजे बजाने को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। इस मामले को ध्यान में रखते हुए माननीय उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देशित किया है कि अब वह पूरे राज्य में डीजे बजाने पर रोक लगाए और डीजे बजाने के साथ किसी भी जुलूस की अनुमति न दी जाए। इसका पालन न करना इस न्यायालय की अवमानना होगी। उपायुक्त ने सभी प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी हजारीबाग को निर्देशित किया है उपरोक्त आदेश का अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे।

पंचमाधव में प्रशासनिक अधिकारियों ने मेला स्थल का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

बरही, झारखंड- बरही प्रखंड अंतर्गत पंचमाधव में रामनवमी महासमिति के द्वारा मेला का आयोजन किया जाएगा। मेला स्थल का निरीक्षण प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो व अंचल अधिकारी अमित किस्कू के द्वारा किया गया। पदाधिकारियों ने रामनवमी समिति के सदस्यों से सरकार के दिशा अनुरूप ही जुलूस, झांकियां, व मेले के आयोजन करने का आग्रह किया साथ ही विधि व्यवस्था को लेकर समिति के अध्यक्ष पुरन राम सचिव अरविंद कुमार शर्मा करियातपुर मुखिया मनोज कुमार, बसरिया मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप व अन्य सदस्यों के साथ चर्चाएं की। सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि हम सभी सरकार के द्वारा बताये गए दिशा निर्देश के अनुसार ही कार्य करेंगे। गौरतलब है कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष रामनवमी महासमिति पांच माधव के द्वारा पंचमाधव में मेले का आयोजन किया जाएगा जहां बसरिया, कोलंगा,धोबियाडीह, शिवपुर, सालोन के अखाड़े अपने जुलुस झांकी व महावीरी पताके के साथ एक जगह जमा होंगे। मेले की तैयारी पूरी कर ली गई है जहां सुरक्षा हेतु वॉलिंटियर तैनात रहेंगे।

रामनवमी जुलूस मार्ग का नगर निगम टीम ने किया निरीक्षण

हजारीबाग, झारखंड- रामनवमी के अवसर पर नगर निगम की टीम ने जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की गहन जांच की गई, जिनमें सफाई व्यवस्था, नालियों की सफाई एवं स्लैब की स्थिति, स्ट्रीट लाइट्स, पानी टैंकर, मॉड्यूलर/चलंत शौचालय, अस्थायी शौचालय, और निर्माण व विध्वंस से उत्पन्न अपशिष्ट का उठाव शामिल था। निरीक्षण के दौरान अधिकांश व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया गया कि वे शेष कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करें। निरीक्षण दल में सहायक नगर आयुक्त अनिल पांडेय, नगर प्रबंधक सतीश कुमार, संतोष कुमार, प्रीतम कुमार, हेड जमादार दीपक गोस्वामी सहित नगर निगम की टीम शामिल रही।

रूद्रपुर थाना क्षेत्र के पिडरा में आग का कहर

रूद्रपुर, देवरिया। शनिवार को ग्राम पिडरा के उत्तर सरेह में लगी भीषण आग ने कई किसानों की मेहनत को राख में बदल दिया। देखते-ही-देखते किसानों की फसल जलकर राख हो गई। गांव निवासी त्रिलोक सिंह, सुरेन्द्र सिंह, सूर्यनारायण सिंह, श्याम बिहारी तिवारी, महन्थ सिंह वीरू धोबी और किशोरा सिंह के खेतों की फसलें जलकर पूरी तरह खाक हो गई। सूचना देने के बावजूद दमकल की गाड़ी काफी देर से पहुँची। जिससे किसानों में भारी आक्रोश है। पीड़ित किसानों ने मांग किया कि प्रशासन तत्काल मुआवजा दे और लापरवाही के दोषियों पर कार्रवाई करे।

हरिनाहा में पंचायत भवन निर्माण पर आदिवासी समाज का विरोध, कहा - स्कूल की जमीन पर नहीं बनने देंगे भवन

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज- सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज प्रखंड अंतर्गत परसागढ़ी दक्षिण पंचायत के हरिनाहा वार्ड संख्या-9 में निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। गुरुवार को आदिवासी समाज समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने एकजुट होकर निर्माण स्थल पर जोरदार प्रदर्शन किया और कड़ी आपत्ति जताते हुए काम रुकवा दिया। शुक्रवार को भी निर्माण कार्य बाधित रहा।

ग्रामीणों का आरोप - यह स्कूल की जमीन है

ग्रामीणों का कहना है कि जिस भूमि पर पंचायत भवन का निर्माण हो रहा है, वह आदिवासी आवासीय हाई स्कूल के नाम से दशकों से दर्ज है। प्रदर्शनकारियों ने ज़मीन से जुड़े दस्तावेज़ और मालगुजारी रसीदें दिखाते हुए कहा कि इस भूमि पर बच्चों का भविष्य टिका हुआ है, इसे किसी अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करना गलत है।ग्रामीणों के अनुसार, परसागढ़ी मौजा अंतर्गत खाता संख्या 495 एवं खेसरा संख्या 2341 में कुल 5 एकड़ 14 डिसमिल भूमि दर्ज है, जो आदिवासी आवासीय हाई स्कूल, हरिनाहा के नाम पर है। वर्षों से इसकी मालगुजारी रसीद कट रही है, फिर भी बिना जांच-पड़ताल के पंचायत सरकार भवन का निर्माण शुरू कर दिया गया।

एनओसी को लेकर सवाल

ग्रामीणों ने भूमि उपयोग की अनुमति (एनओसी) पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। आदिवासी संघ के अध्यक्ष राकेश कुज्जु ने कहा, ÷जब जमीन स्कूल के नाम से दर्ज है, तो बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर इस पर पंचायत भवन कैसे बनाया जा सकता है?÷संघ के सदस्य चंद्रशेखर उरांव ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों का हवाला देते हुए कहा कि एससी-एसटी छात्रों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऐसी जमीनें स्कूलों के लिए चिन्हित की जाती हैं, लेकिन सरकार खुद ही इस नीति के विरुद्ध जा रही है।

पुरानी स्कूल की नींव अब भी मौजूद

ग्रामीणों ने बताया कि करीब दो दशक पहले तक इस भूमि पर एक आवासीय विद्यालय संचालित होता था। सरकारी उपेक्षा के चलते विद्यालय धीरे-धीरे बंद हो गया। लेकिन आज भी वहां विद्यालय की पुरानी नींव मौजूद है, जहां पहले फूस के घर में कक्षाएं लगती थीं।गौरतलब है कि 27 मार्च

को ग्रामीणों ने एक बैठक कर विद्यालय पुनर्निर्माण हेतु एक कमिटी बनाई थी। बैठक में विद्यालय की जमीन की घेराबंदी कर अतिक्रमण से मुक्त कराने का प्रस्ताव भी पारित किया गया था।

जिलाधिकारी से जांच की मांग

आक्रोशित ग्रामीणों ने सुपौल के जिलाधिकारी और भूमि सुधार विभाग से मामले की अविलंब जांच कर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं मिला तो चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। प्रदर्शन में मंजूला उरांव, संजूला उरांव, प्रमिला देवी, उषा देवी, गीता देवी, अर्जुन पासवान, कमलेश्वरी उरांव, सूर्यनारायण उरांव, रंजन उरांव, अरविंद उरांव, मनोज उरांव, हीरालाल उरांव, दीपक साह, धीरेन्द्र उरांव, संतोष उरांव, विनोद उरांव, जनक लाल उरांव, रंजीत उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों की चिट्ठियां भी रहीं बेअसर

इस गंभीर मामले को लेकर क्षेत्र संख्या-25 की जिला परिषद सदस्य पूनम कुमारी

ने 2023 में अररिया के सांसद प्रदीप कुमार सिंह को पत्र लिखकर ध्यान आकर्षित कराया था।सांसद ने भी तत्परता दिखाते हुए 8 अप्रैल 2023 को तत्कालीन केंद्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति मंत्री अर्जुन मुंडा को पत्र लिखकर इस भूमि पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के निर्माण की मांग रखी थी।हालांकि, यह पत्राचार अब तक ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है और वर्षों पुरानी शिक्षा परियोजना आज भी एक अधूरी कल्पना बनकर रह गई है।

प्रशासन की प्रतिक्रिया

मामले को लेकर एसडीएम शंभूनाथ ने कहा कि "यह मामला अभी तक मेरे संज्ञान में नहीं आया है। यदि मामला सामने आता है तो निश्चित रूप से जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।" वहीं, परसागढ़ी दक्षिण पंचायत के मुखिया संजय साह ने स्पष्ट किया कि "यह ज़मीन स्कूल की है और वरीय पदाधिकारी के निर्देशानुसार पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह कार्य पूरी पारदर्शिता और नियमों के तहत किया जा रहा है।"

महावीर जयंती एवं रामनवमी के पावन अवसर पर लगा रक्तदान शिविर- निर्मल जैन

स्वतंत्र प्रभात

हजारीबाग, झारखंड- वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के द्वारा रामनवमी एवं महावीर जयंती के पावन अवसर पर, थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं रक्त की कमी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए, रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसका उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्लड मैन निर्मल जैन द्वारा किया गया। शिविर का शुभारंभ रामाकृष्णा रेड्डी द्वारा अपनी पत्नी के जन्मदिन पर 43वीं बार सुशील कुमार के लक्ष्मी स्वरूपी पुत्री के जन्म पर एवं झारखंड पुलिस के लक्ष्मीनारायण प्रसाद ने 45वीं बार रक्तदान कर के किया तत्पश्चात कविता कुमारी, कुणाल राणा, मोहम्मद महताब आलम, साकेत संगम गिरी, मिथुन मिर्धा, नीरज कुमार, राजशेखर, मनीष कुमार गुप्ता, मिराज हुसैन, काशिफ अहमद, शाहिद अनवर, अमित कुमार ठाकुर, किसलय सिंह, अमित टोप्पो, दिलीप टोप्पो, मोहन कुमार यादव, विक्रम कुमार यादव, सोनू कुमार, प्रदीप कुमार आदि रक्तदाताओं ने रक्तदान कर भगवान महावीर के अहिंसा वादी सिद्धांत जियो और जीने दो को अमल करते हुए मानवता का परिचय दिया। रक्तदान करने सेके व्यक्ति स्वयं तो स्वस्थ रहता है साथ-साथ किसी के जिंदगी बचाने में मदद करता है। रक्तदान के पश्चात एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने समस्त रक्त दाताओं के उज्जवल भविष्य की? कामना करते हुए उनके इस नेक कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया। साथ ही रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर

सम्मानित किया एसोसिएशन सुशील कुमार की पुत्री के जन्म पर बधाई दी। रामाकृष्णा रेड्डी के पत्नी को जन्मदिन पर उन्हें बधाई देती है और लोगों से विनती करती कि वे भी अपने मांगलिक दिवस के अवसर पर रक्तदान कर लोगों को नया जीवन देने का परिचय दें झारखंड पुलिस के लक्ष्मीनारायण प्रसाद ने देश के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हुए 45वीं बार रक्तदान कर अनूठी मिसाल पेश की उनको भी विशेष साधुवाद करती है।कविता कुमारी एवं कुनाल राणा को प्रथम बार रक्तदान करनी हेतु बधाई देता है। एसोसिएशन द्वारा रविवार को मर्यादा पुरुषोत्तम रामचंद्र के जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन कर रही है इस शिविर में अधिक से अधिक रक्तदाता रक्तदान कर मानवता का परिचय दें। शिविर को सफल बनाने में वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन, महासचिव विनीत छाबड़ा, मेडिकल कॉलेज के अधिकारी एवं कर्मचारी गण का विशेष सहयोग।

जिला जनता दरबार में 32 मामलों की सुनवाई, समाधान के लिए त्वरित निर्देश

सुपौल- शुक्रवार को समाहरणालय स्थित लहटन चौधरी सभागार में जिला जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस दरबार में अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्रीति कुमारी द्वारा कुल 32 आवेदनों को स्वीकार किया गया। जनता दरबार में आए मामलों के शीघ्र समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है।

लूट के दौरान अपराधियों ने की गोलीबारी, छाती के नीचे फंसी है कारतूस- गंभीर

स्वतंत्र प्रभात

सुपौल- जिले के पिपरा थाना क्षेत्र में सुपौल-पिपरा NH-327E पर अपराधियों ने लूटपाट की घटना को अंजाम देते हुए शुक्रवार की रात एक युवक को गोली मार दी।घटना दिनापट्टी रेलवे पुल के नीचे हुई,जहां बाइक सवार दो अपराधियों ने युवक से तीन-चार हजार रुपये लूट लिए और विरोध करने पर सीने में गोली मार दी।गंभीर रूप से घायल युवक को डायल 112 की पुलिस ने सदर अस्पताल सुपौल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच दरभंगा रेफर कर दिया गया। घायल युवक की पहचान पिपरा थाना क्षेत्र के दुबियाही पंचायत वार्ड संख्या 15 निवासी कुलानंद साह के पुत्र सुबोध साह के रूप में हुई है।परिजनों ने बताया कि सुबोध किसी काम से रतौली जा रहा था, इसी दौरान घात लगाए अपराधियों ने लूटपाट की और गोली मारकर फरार हो गए।सदर

अस्पताल में मौजूद ड्यूटी डॉक्टर ने बताया कि युवक को सीने के नीचे गोली लगी है और वह शरीर के अंदर फंसी हुई है।

अस्पताल में सर्जन नहीं रहने के कारण उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि हालत गंभीर बनी हुई है और तत्काल सर्जरी की आवश्यकता है।घायल सुबोध साह ने बताया कि बाइक सवार दो अपराधियों ने रास्ते में उसे रोका और पैसे छीनने लगे।जब उसने विरोध किया,तो बदमाशों ने उस पर गोली चला दी और मौके से फरार हो गए। वहीं, पिपरा थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस टीम मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले 248 शिक्षकों से विभाग ने मांगा स्पष्टीकरण

सरकारी निर्देशों की अनदेखी कर रहे शिक्षक, विभाग ने जताई नाराजगी

स्वतंत्र प्रभात

सुपौल। विभाग के सख्त निर्देशों के बावजूद बड़ी संख्या में शिक्षक ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। जब-जब विभाग द्वारा पोर्टल की समीक्षा की जाती है, सैकड़ों शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज नहीं पाई जाती है। इसी कड़ी में 29 मार्च को की गई समीक्षा में जिले के 248 शिक्षकों की उपस्थिति पोर्टल पर शून्य पाई गई। इस संबंध में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) राहुल चंद चौधरी द्वारा ऐसे सभी शिक्षकों से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। इस सूची में प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक तथा सहायक शिक्षक शामिल हैं।

डीपीओ ने स्पष्ट किया है कि उक्त शिक्षकों का यह आचरण कार्य के प्रति लापरवाही

और उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने निर्देश दिया है कि सभी संबंधित शिक्षक विद्यालय अवधि के बाद अपने-अपने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी उन स्पष्टीकरणों की समीक्षा कर 48 घंटे के भीतर विभाग को मंतव्य सहित रिपोर्ट सौंपेंगे। जिन प्रखंडों के शिक्षक शामिल हैं, उनमें बसंतपुर के 12, छातापुर के 25, किशनपुर के 12, मरौना के 15, निर्मली के 6, पिपरा के 24, प्रतापगंज के 22, राघोपुर के 21, सरायगढ़ के 11, सुपौल के 69 और त्रिवेणीगंज के 34 शिक्षक शामिल हैं।

गौरतलब है कि विभाग ने 1 अक्टूबर 2023 से शिक्षकों के लिए ई-शिक्षा कोष पोर्टल के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य कर दिया है। शिक्षकों को विद्यालय पहुंचने और विद्यालय छोड़ने–दोनों समय पर फेस स्कैन के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होती है। यह पहला मौका नहीं है जब विभाग ने लापरवाह शिक्षकों से जवाब मांगा हो। इससे पहले की गई दो समीक्षाओं में क्रमशः 1228 और 385 शिक्षकों से भी इसी मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा गया था। हालिया समीक्षा से स्पष्ट है कि अब भी कई शिक्षक इस डिजिटल उपस्थिति व्यवस्था को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

प्रशासन ने दी सख्त हिदायत, सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर, अश्लील गानों पर पूर्ण प्रतिबंध

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं रामनवमी का पर्वः उपायुक्त

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़, झारखंड- रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर शनिवार को रविन्द्र भवन टाउन हॉल में जिला स्तरीय पदाधिकारियों, थाना प्रभारियों, बीडीओ, सीओ एवं दंडाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग की गई। उपायुक्त मनीष कुमार और पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि ÷आप सभी जिला प्रशासन के आंख, कान और हाथ हैं। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और संदेहास्पद स्थिति में तत्काल वरीय अधिकारियों को सूचित करें।÷ उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रतिनियुक्त स्थल से बिना आदेश नहीं हटें। जुलूस के दौरान मजिस्ट्रेट भी साथ चलेंगे और विसर्जन घाट पर प्रतिनियुक्त अधिकारी कंट्रोल रूम को

लगातार अपडेट देंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि जुलूस में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक या अश्लील गीत नहीं बजाए जाएंगे। सभी अखाड़ों की वीडियोग्राफी होगी और सोशल मीडिया पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। सभी बीडीओ, सीओ और थाना प्रभारी को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि किसी भी शरारती तत्व या असामाजिक गतिविधियों की सूचना मिलते ही फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराएं और बाद में विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कंट्रोल रूम को सक्रिय रखने और सिविल ड्रेस में भी पुलिस बल की तैनाती की बात कही।

दोनों अधिकारियों ने आमजनों से अपील की कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। प्रशासन त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, सिविल सर्जन, जिला परिवहन पदाधिकारी, भू-अर्जन पदाधिकारी, निर्वाचन पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (पाकुड़ एवं महेशपुर), सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

विवाहिता ने अपने जेठ पर सरकारी भूमि कब्ज़े करने का लगाया आरोप

शाहगंज,जौनपुर। शनिवार को तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर एक महिला ने अपने ही जेठ पर सरकारी भूमि को कब्ज़ा करने का आरोप लगाते हुए हुए प्रार्थना पत्र सौंपा। खुटहन थाना क्षेत्र के हसनपुर धमऊर निवासी मीणा गौतम पत्नी जिलेदार गौतम ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्रार्थना पत्र देते हुए कहा की मेरे पति के चार भाई है जिसमे से सबसे बड़े भाई राम लखन द्वारा खुटहन रोड शाहगंज रोड के किनारे पीडब्लूडी की बेशकीमती सरकारी जमीन पर पत्तर टीनशेड आदि डालकर कर अवैध कब्जा किया जा रहा है।जिससे सरकारी संपत्ति को भारी क्षति पहुंच रही है। मीना गौतम ने तत्काल मामले की जांच कर उचित कार्यवाई की मांग की है।

रामनवमी को लेकर त्रिवेणीगंज में शांति समिति की बैठक, डीजे और हथियार प्रदर्शन पर प्रतिबंध

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज (सुपौल)। रामनवमी पर्व को लेकर शुक्रवार की देर शाम थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिनव भारती ने की,जबकि संचालन थानाध्यक्ष रामसेवक रावत द्वारा किया गया। बैठक में थानाध्यक्ष रामसेवक रावत ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि रामनवमी शोभायात्रा के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।उन्होंने लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने और शांतिपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि जुलूस के दौरान तलवार या अन्य घातक हथियारों का प्रदर्शन प्रतिबंधित है, और ऐसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

थानाध्यक्ष ने यह भी कहा कि पुलिस की नजर सोशल मीडिया एवं असामाजिक तत्वों पर विशेष रूप से रहेगी। किसी भी तरह की अफवाह या भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर कठोर कदम उठाए जाएंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिनव भारती ने भी लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और सौहार्द के साथ त्योहार मनाएं। साथ ही चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर भ्रामक, भड़काऊ या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि शोभायात्रा के दौरान जुलूस के मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और निगरानी हेतु सीसीटीवी कैमरों का सहारा लिया जाएगा। बैठक में जदयू प्रखंड अध्यक्ष कमालुद्दीन खान, अश्विनी कुमार डब्लू, दीप नारायण यादव, सनाउल्लाह, मोहम्मद जब्बार, भोला चौधरी, बोधि यादव, कुमोद गुप्ता, रंजन सिन्हा समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

रामनवमी जुलूस-2025 को लेकर हजारीबाग में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक

स्वतंत्र प्रभात

हजारीबाग, झारखंड- रामनवमी जुलूस-2025 के मद्देनज़र सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए 6 अप्रैल 2025 से 8 अप्रैल 2025 तक हजारीबाग शहरी क्षेत्र में भारी मालवाहक व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। यह रोक कई प्रमुख स्थानों पर लागू रहेगी जिनमें भारत माता चौक (बाईपास मोड़), रसुलीगंज चौक (बड़कागांव की ओर), रेलवे ओवरब्रिज लेपो रोड मोड़, छड़वा गदोखर मोड़, सिंघानी

मोड़ चानो रोड ओवरब्रिज, नगवां टोल प्लाजा/बाईपास मोड़, कुद रेवाली (रेलवे पुल के निकट) शामिल है। इस संबंध में यातायात थाना प्रभारी श्रवण कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर वाहन चालकों एवं आम नागरिकों से सहयोग की अपील की है, ताकि रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण व सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

लखना में नौ दिवसीय सार्वजनिक देवी मंडप में दुगोला कार्यक्रम का भव्य आयोजन

● सप्तमी की रात्रि में उदय हलचल पलामू व लोरिक यादव गढ़वा के बीच हुआ रोचक मुकाबला, बरही विधायक मनोज यादव ने किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात

बरही, झारखंड- नौ दिवसीय सार्वजनिक देवी मंडप लखना दुलमाहा में सप्तमी की रात्रि को सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत दुगोला का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम में उदय हलचल पलामू और लोरिक यादव गढ़वा के बीच रोचक और जोरदार मुकाबला हुआ, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण जुटे। कार्यक्रम का उद्घाटन बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर किया। उन्होंने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में संस्कृति और लोक परंपरा को जीवित रखने का काम करते हैं। इससे सामाजिक समरसता बढ़ती है और युवा वर्ग को भी अपनी विरासत से जुड़ने का मौका मिलता है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए भविष्य में भी

ऐसे आयोजन होते रहने की कामना की। कार्यक्रम के दौरान इलाके के कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी मौजूद रहे। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, मुखिया नारायण यादव, पूजा समिति अध्यक्ष सुधीर यादव, सचिव टेकलाल साव, कोषाध्यक्ष पप्पू यादव, मिथिलेश यादव, सामाजिक कार्यकर्ता सागर चंद्रवंशी, मंजू देवी, गीता देवी, रूपा देवी, रिंकी देवी, कृष्णा यादव, अशोक पासवान, रिंकू साव, श्याम सुंदर यादव, बालेश्वर यादव, त्रिवेणी यादव, अशोक यादव, सुखदेव यादव, ज्ञानी साव, दुपल यादव, संजय साव, मंटू साव समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित थे।पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण और लोक गीतों की गूंज से पूरा गांव संगीतमय बना रहा। आयोजन को सफल बनाने में पूजा समिति की अहम भूमिका रही।